

कावेरी जल विवाद गरमाया, शिवकुमार की सर्वदलीय बैठक

एजेसी ►► बेंगलुरु

तमिलनाडु के साथ कावेरी जल विवाद के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के आधिकारिक आवास पर सर्वदलीय बैठक की। इस बैठक में मुख्यमंत्री शिवकुमार, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमेया और बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम. वीरप्पा मोइली और कर्नाटक सरकार के मंत्री एमबी पाटिल, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद मौजूद हैं। उपमुख्यमंत्री परमेश्वर भी थे।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री, शाह और योगी को धमकी, मामला दर्ज
रांची। झारखंड पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री



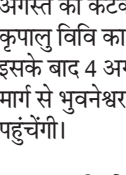
योगी आदित्यनाथ को 'जान से मारने की धमकी' देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। रांची जिले के नगरी पुलिस थाने में शनिवार को भाजपा के नगरी मंडल अध्यक्ष तितेश राज महतो की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

कोडीन जल्दी में आरोप तय करने के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने 4,300 किलो से अधिक मात्रा में कोडीन आधारित खांसी का सिरप गैर-कानूनी रूप से रखने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है।

अदालत ने कहा कि उपलब्ध सबूतों के आधार पर उस व्यक्ति पर गंभीर संदेह पैदा होता है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मामला बनता है।

राष्ट्रपति 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 3 से 5 अगस्त तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान कटक, खुर्दा और गंजाप जिलों में सुरक्षा और लॉजिस्टिक इंतजामों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रपति 3 अगस्त को कटक स्थित जगदगुरु कृपालु विवि का उद्घाटन करेंगी। इसके बाद 4 अगस्त को वह रेल मार्ग से भुवनेश्वर से बरहमपुर पहुंचेंगी।



मायावती ने सिद्धार्थ को पार्टी से किया बाहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पहले पूर्व सीएम मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संगठन में एक बार फिर बड़ा बदलाव किया है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्घार्थ को सभी जिम्मेदारियों से मुक्त करते हुए पार्टी से निकाल दिया है। ऐसा ही एक्शन मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल के साथ भी किया।

राम के नाम पर लूट हो रही: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का मुद्दा उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर चोरी हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों से सवाल होने चाहिए। उनके नाम लूट हो रही है। राउत ने कहा कि चढ़ावे के मुद्दे को हमने संसद के अंदर और बाहर उठाया था।



परसरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का मुद्दा उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर चोरी हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों से सवाल होने चाहिए। उनके नाम लूट हो रही है। राउत ने कहा कि चढ़ावे के मुद्दे को हमने संसद के अंदर और बाहर उठाया था।

सरकार और हम खुद कावेरी मामले में राज्य के लोगों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध, कर्नाटक अभी भी सूखे की मार झेल रहा

◆ कर्नाटक सरकार के मंत्री समेत केंद्रीय मंत्री भी रहे बैठक में शामिल



फिलहाल घेर बनाए रखें

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि सरकार और वह खुद कावेरी मामले में राज्य के लोगों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति में राज्य के हितों की सुरक्षा की जाएगी। डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक अभी भी सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। राज्य में अनुमानित बारिश का केवल करीब 30-35 फीसदी ही बारिश हुई है।

पानी का बहाव घटाया

उन्होंने कहा कि शनिवार को काबिनी जलाशय से कावेरी में पानी का बहाव बढ़ाकर 25,000 क्यूसेक कर दिया गया था। रविवार सुबह इसे काफी घटाकर 10,000 क्यूसेक कर दिया गया, लेकिन बाद में इसे बदलकर 14,958 क्यूसेक कर दिया गया। फिर पानी का बहाव बढ़ाकर 28,009 क्यूसेक हो गया। अबुमणि ने आरोप लगाया कि यह अनिश्चित पैटर्न साफ तौर पर दिखाता है कि कर्नाटक का तमिलनाडु को पानी का उसका कानूनी हिस्सा देने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, वह कावेरी नदी का इस्तेमाल - जो तमिलनाडु से होकर बहती है - सिर्फ अतिरिक्त पानी निकालने के लिए एक बाढ़ निकासी चैनल के तौर पर कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी तमिलनाडु सरकार

इससे पहले शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार ने साफ किया कि वह अपने हिस्से के पानी के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। राज्य के कानून मंत्री आर. निर्मल कुमार ने कहा कि कर्नाटक की ओर से पानी छोड़ने से इनकार किए जाने के बाद अब कानूनी रास्ता अपनाना जाएगा।

यह है कावेरी जल विवाद

कावेरी नदी कर्नाटक से निकलकर तमिलनाडु होते हुए बंगाल की खाड़ी में मिलती है। दोनों राज्यों के बीच दशकों से इस बात को लेकर विवाद रहा है कि नदी का पानी किस अनुपात में बांटा जाए। इस विवाद के समाधान के लिए कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया गया था और बाद में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया गया, जो जरूरत के अनुसार पानी छोड़ने के निर्देश देता है।

एट्टाहि मक्कल काव्वि के अध्यक्ष अबुमणि बोले

मेकेदातु बांध से कावेरी का पानी तमिलनाडु आना बंद हो जाएगा

चेन्नई। एट्टाहि मक्कल काव्वि (पीएमके) के अध्यक्ष अबुमणि रामदास ने कहा कि अगर प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय बन गया होता, तो तमिलनाडु को कर्नाटक के काबिनी जलाशय से उम्मी जितना पानी मिल रहा है, उतना भी नहीं मिल पाता। पीएमके नेता ने एक बयान में तमिलनाडु सरकार से कर्नाटक की इस परियोजना को लागू करने की कोशिश का कड़ा विरोध करने की अपील की तथा सभी राजनीतिक दलों एवं किसान संगठनों को साथ लेकर एक संयुक्त कार्य योजना बनाने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो दिनों में कर्नाटक से अनियमित मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है।



प्रधानमंत्री ने ‘नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान’ शुरू किया

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की ताकत भारत के निर्माण में निभाएं अहम ‘भूमिका’

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को ‘नशा मुक्त युवा से विकसित भारत संकल्प अभियान’ का शुभारंभ किया। नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में उन्होंने हर नागरिक, खासकर युवाओं से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के युवाओं का तन-मन से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर और नशे जैसी घातक आदतों से दूर रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह अभियान व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अभियान का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तब यह आवश्यक है कि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, आत्मविश्वास से भरपूर हों और ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर रहें। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी को यह संकल्प लेना होगा कि देश के युवा नशे और ड्रग्स के खतरे को समझें, हर तरह से जागरूक रहें और इससे दूर रहें। उन्होंने कहा कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर असर पड़ता है।

100 सप्ताह का नशामुक्ति अभियान बनेगा जन आंदोलन



युवाओं को नशे के खतरों के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान



युवाओं को बताया ‘अमृतपीढ़ी’

प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस बड़े अभियान के लीडर हैं। उन्होंने युवाओं की जागरूकता, समझदारी और कर्तव्यों के प्रति गंभीरता की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि युवा भारत की ‘अमृतपीढ़ी’ हैं। 20-25 वर्षों में वे अपने जीवन को दिशा देने के साथ 2047 तक देश को विकसित भारत की मजिल तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि देश को युवाओं की ऊर्जा, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा की जरूरत है। इसलिए देश और अपने जीवन के लिए युवाओं का नशामुक्त रहना बेहद जरूरी है।

◆ योग, ध्यान और पुनर्वास केंद्रों की मदद लेनी चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत नशे के खिलाफ आंतरिक शक्ति प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने युवाओं और परिवारों से जरूरत के अनुसार इन सुविधाओं की मदद लेने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि कार्यक्रम से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के हजारों छात्र ऑनलाइन जुड़े हैं।

◆ देश के शिक्षाविद नशे के खिलाफ आंदोलन चलाएं

पीएम मोदी ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों से भी अपील की कि वे पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ छात्रों से ड्रग्स के खतरों पर बातचीत करें। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ जागरूकता का आंदोलन चलाया जाना चाहिए और शिक्षकों के प्रयास इसके सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि देश में नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

◆ अपनी क्षमता का उपयोग राष्ट्रहित में करें

पीएम मोदी ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपनी क्षमता को बचाकर रखना होगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए नशा या उत्साह दे सकते हैं, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम करिब और परिवार दोनों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकते हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का इस्तेमाल देश के निर्माण और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए करना चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

एसआईटी चंपत, मिश्रा समेत 200 लोगों से करेगी पूछताछ

एजेसी ►► अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की कार्रवाई अब और तेज हो गई है। जांच एजेंसी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, पूर्व ट्रस्टी अतिल मिश्रा और गोपाल राव से एक बार फिर पूछताछ करने की तैयारी में है। जांच के दौरान दस्तावेज और शुरुआती बयानों में सामने आए विरोधाभास के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।



जिम्मेदारी टिन्नु यादव पर डाली थी, वहीं चंपत राय ने बैंक के साथ हुए समझौते सुरक्षा व्यवस्था और गिनती की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए थे।

पंजाब कांग्रेस की बैठक में फिर हंगामा

चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ के लगे नारे, गुटबाजी सामने आई

एजेसी ►► बरनाला

पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं में गुटबाजी देखने को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने बननाला में कांग्रेस की बैठक के दौरान उस वक्त हंगामा शुरू कर दिया जब अमरिंदर सिंह राजा बोल रहे थे और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल भी बैठक में मौजूद थे। इस दौरान चन्नी समर्थकों ने

नारे लगाए- चन्नी लाओ, पंजाब बचाओ। यह लगातार दूसरा दिन था जब पार्टी की सभा में इस तरह की नारेबाजी देखी गई।



बघेल और अमरिंदरपार्टी संगठन को मजबूत करने के जनसंपर्क अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मिलने के लिए रविवार को बरनाला में थे। इनकी उपस्थिति में यह नारेबाजी की गई। बैठक में चन्नी नहीं थे। हालांकि, चन्नी समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

आजादी के 79 वर्ष, एनसीसी का साइक्लोथॉन



नांडविया ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। एनसीसी ने आजादी के 79 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को नई दिल्ली में साइक्लोथॉन-2026 का आयोजन किया। स्वच्छ भारत, हरित भारत, गिट भारत थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था। द. शर्मिष्ठा, एकता और राष्ट्र सेवा का संदेश दिया गया। केंद्रीय खेल मंत्री मनजुस नांडविया ने इसे हरी झंडी दिखाई।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने किया दावा

प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ रही लोकप्रियता से राहुल परेशान

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं के बीच बढ़ती लोकप्रियता से परेशान हैं। राहुल खुद को पहले 'युवा नेता' मानते थे, लेकिन अब युवाओं के बीच उनकी वैसी लोकप्रियता नहीं रही है। गोयल ने दावा किया कि भाजपा को युवा मतदाताओं का समर्थन लगातार मिल रहा है। गोयल ने कहा कि युवा

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के विजन का लगातार समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को दुनिया का 'सबसे लोकप्रिय नेता' भी बताया। गोयल ने कहा कि युवाओं के साथ उनका जुड़ाव और सौशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी देश के विकास को और तेज करने में मदद करेगी। गोयल ने प्रचारकों से कहा, विपक्ष ने नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती लोकप्रियता और युवाओं के साथ उनके जुड़ाव से परेशान हैं।



271 लोगों से भरी फेरी बोट में आग: जान बचाने समुद्र में कूदने से 5 की मौत, 41 लापता

एजेंसी►जकार्ता

इंडोनेशिया के मादुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक फेरी बोट में आग लग गई। इसके बाद लोग जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। खबरों के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं।

फेरी में कुल 271 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। कुछ लोग जान बचाने के लिए बोट से समुद्र में कूद गए। शाम तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि बाकी लोगों की तलाश जारी है। फेरी ईस्ट जावा प्रांत के सुराबाया से साउथ सुलावेसी के मकासार जा रही थी। इसी दौरान मादुरा द्वीप के पास उसमें आग लग गई। आग लगने की वजह साफ नहीं हो सकी है। फिलहाल लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन खबर लिखे जाने तक जारी था। यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर जा रही थी। इसी दौरान जावा के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित मदुरा द्वीप के पास फेरी में आग लग गई। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए कई जहाजों को तैनात किया गया है। अधिकारी आसपास के समुद्री इलाके में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। फेरी में आग लगने की वजह का तत्काल पता नहीं चल सका है। इंडोनेशिया में इससे करीब एक साल पहले भी फेरी में आग लगने की पहले भी जानलेवा घटना हुई थी।

इंडोनेशिया के मादुरा आइलैंड के पास रविवार सुबह हुआ हादसा, मची अफरा-तफरी

आग लगते ही फेरी में बड़ी हलचल



बोट से कूदकर जान बचाने का प्रयास करता युवक लाल घेरे में

पहले भी हुए हैं इस तरह के हादसे



जुलाई 2025 में नॉर्थ सुलावेसी प्रांत के पास 'केएम बारसिलोना 5' नाम की फेरी बोट में आग लग गई थी। उस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि करीब 150 लोगों को बचाया गया था। फेरी में करीब 280 लोग सवार थे। मई 2021 में 'केएम कार्य इंडाह' नाम की फेरी टरन्टे से रवाना होने के कुछ देर बाद आग की चपेट में आ गई थी। उस दौरान यात्रियों और क्रू को जान बचाने के लिए समुद्र में छलांग लगानी पड़ी थी। स्थानीय मधुआरों और बचाव एजेंसियों की मदद से 181 यात्रियों, जिनमें 22 बच्चे भी शामिल थे, और 14 क्रू मेंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया था। उस हादसे में कोई मौत नहीं हुई थी।

खबर संक्षेप

मॉस्को के रेस्टोरेंट में धमाका: 3 की मौत

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को के कुट्रिंस्काया स्क्वायर स्थित बाल्जी रोसी नाम के एक इटैलियन रेस्टोरेंट में



शनिवार शाम हुए भीषण धमाके में 3 लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्ट्स में गैस सिलेंडर फटने का अंदेशा जताया जा रहा था, लेकिन जांच में पता चला महिला द्वारा लाए गए होममेड बम से यह विस्फोट हुआ। हादसे में बम ला रही महिला, रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड और ग्राहक की मौत हो गई।

अमेरिका के रेस्तरां में गोलीबारी, 3 की मौत

बोइस (अमेरिका)। अमेरिका के दक्षिणी प्रांत इडाहो में इन-एन-आउट बर्गर रेस्तरां में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और सात



अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। ट्विन फॉल्स शहर के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। ट्विन फॉल्स शहर के प्रवक्ता जोश पामर ने बताया कि शनिवार दोपहर गोलीबारी की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को रेस्तरां के पास एक इलाके में संदिग्ध हमलावर का शव मिला। पामर ने कहा कि अधिकारी मृतकों के परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटे हैं।

देश के कई राज्यों में बारिश ने मचाई तबाही

केरलम में आई बाढ़ से 8 और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से परिवार के 3 लोगों की मौत

एजेंसी►नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं, बिहार के बांका में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

केरल में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे।

» **सबरीमाला तीर्थयात्रियों को यात्रा पुनर्विचार करने की सलाह, अलर्ट जारी**

» **राजस्थान-24 जिलों में बारिश, अजमेर में सड़कों पर पानी भरा**

» **बिहार में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत**

» **केरलम में 209 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित**

राजस्थान, बिहार, गुजरात और कश्मीर के कई इलाकों में बारिश से नुकसान



केरल में नाव चलाकर बुजुर्ग और बच्चों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया

शिवमोग्गा में हुआ भूस्खलन

कर्नाटक के मलनाड क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण शिवमोग्गा जिले के इंदिरा नगर इलाके में रविवार तड़के करीब 2:30 बजे भूस्खलन हुआ। इस हादसे में एक अस्थायी शेड मलबे में दब गया, जिससे उसमें रह रहे एक प्रवासी मजदूर परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस और अग्निशमन व आपातकालीन सेवा विभाग ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और तीनों शवों को

मलबे से बाहर निकाला। पास के शेड में रहने वाला एक अन्य मजदूर इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे तीर्थहल्ली के जयचामराजेंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने एक बार फिर मानसून के दौरान भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले प्रवासी मजदूरों के जोखिम को उजागर कर दिया है।

बीजिंग: ओपन हाउस में हुई चर्चा

भारतीय समुदाय ने सोशल मीडिया पर अपमानजनक सामग्री के मुद्दे भी उठाए

एजेंसी►बीजिंग

चीन में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित ओपन हाउस कार्यक्रम में अपनी विभिन्न समस्याओं और चिंताओं को प्रमुखता से उठाया। इस जनसंपर्क पहल में बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर शामिल हुए, जहाँ चीनी सोशल मीडिया पर भारत-विरोधी अपमानजनक सामग्री, भारतीय पेशेवरों के कार्य वीजा में गिरावट और उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर लगे प्रतिबंध जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत के राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने राजनयिक नितिनजीत सिंह और रमेश सिंह के साथ समुदाय के सदस्यों से सीधा संवाद किया। चीनी



सोशल मीडिया पर भारतीयों के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पर राजदूत ने कहा कि चीनी प्रशासन भी इस विषय में चिंतित है और दूतावास तथ्य-आधारित जानकारी के माध्यम से भ्रामक सूचनाओं का जवाब दे रहा है। राजदूत दुरईस्वामी ने बताया कि द्विपक्षीय संबंधों और यात्रा को बढ़ावा देने के लिए अगले सप्ताह से वीजा प्रक्रिया को और सरल बनाया जाएगा। भारतीयों के लिए कानूनी विशेषज्ञों की मदद से तंत्र विकसित कर रहा है।

रूस- उक्रेन युद्ध फिलहाल नहीं रुक रहा

रूस ने कई इलाकों में हमले तेज किए

एजेंसी►कीव

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में अब ब्लैक सी (काला सागर) के बंदरगाह रणनीतिक लड़ाई का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। रूस ने ओडेसा सहित यूक्रेन के प्रमुख तटीय इलाकों में मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य मकसद यूक्रेन की आर्थिक रीढ़ और अंतरराष्ट्रीय सप्लाई लाइन को पूरी तरह तोड़ना है। यूक्रेन के कुल निर्यात में 60 प्रतिशत है। ब्लैक सी पोर्ट्स के जरिए ही मिस्र, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ जैसे देशों को गेहूं, मक्का और सूरजमुखी तेल का बड़ा

रूस- उक्रेन युद्ध फिलहाल नहीं रुक रहा

दोनों के बीच लड़ाई में अब कालासागर बना प्रमुख केंद्र



एआई इमेज

हिस्सा भेजा जाता है। हमलों के बढ़ते खतरे और महंगे बीमा शुल्क के कारण करीब 90 फीसद शिपिंग ऑपरेटर्स ने इन पोर्ट्स से अपनी आवाजाही घटा दी है। यूक्रेन के सामने पेट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमित संख्या के कारण इन बंदरगाहों को बचाना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। यदि समुद्री रास्ते बंद रहते हैं, तो यूक्रेन को महंगे

और धीमे वैकल्पिक मार्गों (जैसे रोमानियाई पोर्ट्स और रेल नेटवर्क) पर निर्भर रहना पड़ेगा। विश्लेषकों का मानना है कि बंदरगाहों पर लगातार हो रहे इन हमलों से न केवल यूक्रेन की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, बल्कि वैश्विक अनाज बाजार में भी कीमतों का भारी उछाल देखने को मिल सकता है।

पेरु में दर्दनाक हादसा

नाज्का लाईंस ले जा रहा था प्लेन

एजेंसी►तनाज्का (पेरु)

पेरु के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नाज्का में एक बड़ा विमान हादसा हो गया है। पर्यटकों को ले जा रहा एक विमान खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। नाज्का नगर पालिका ने सोशल मीडिया के जरिए इस दुखद घटना की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, यह विमान निजी एविएशन कंपनी एयरोडियाना का सेसना ग्रैंड कारवॉ मॉडल था, जिसने पास के इका शहर से उड़ान भरी थी। यह उड़ान पर्यटकों को पेरु के रेगिस्तानी इलाके में बनी सैकड़ों साल पुरानी



ऐतिहासिक नाज्का लाईंस की हवाई यात्रा कराने के लिए आयोजित की गई थी। हादसे के बाद पेरु के हमलों से न केवल यूक्रेन ने उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन मृतकों की पहचान करने और उनके परिजनों से संपर्क साधने की कार्रवाई में जुटा है।

जन्मता का ध्यान भटकाने की कोशिशों पर दिया जा रहा जोर

पाक सेना प्रवक्ता ने दिया विवादित बयान

» **भारत-अफगान नजदीकी से बौखलाया पाक**
एजेंसी►इस्लामाबाद

भारत और अफगानिस्तान के मजबूत होते संबंधों को देखकर पाकिस्तान में फिर से बौखलाहट देखने को मिल रही है। हाल ही में तालिबान सरकार के एक मंत्री के भारत दौरे और दोनों देशों के लोगों का डीएनए एक बताने वाले बयान पर पाकिस्तानी सेना भड़क गई है।

पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में धार्मिक संदर्भों और कुरान की



प्रवक्ता चौधरी

आयत का हवाला देते हुए बेहद विवादित बयान दिया। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने भारत और तालिबान शासन के बीच मालिक और गुलाम जैसा रिश्ता होने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत में भाजपा-आरएसएस तालिबान के मालिक हैं और तालिबान उनके

एजेंडे की सेवा कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने तालिबान सरकार पर महिलाओं के उत्पीड़न और अवैध फतवे जारी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अफगान को काफिरों से दोस्ती नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर, भारतीय खुफिया सूत्रों का मानना है कि पाकिस्तान इस समय बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ते आतंकी हमलों तथा सीपीईसी (सीपीईसी) परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर भारी आंतरिक दबाव में है। सेना से नाराज अपनी जनता का ध्यान इन बड़ी नाकामियों से भटकाने के लिए ही पाकिस्तानी सेना बिना किसी सबूत के भारत विरोधी बयानबाजी कर रही है।

ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव के बीच ईरान का रुख साफ, कहा-

ट्रंप के सभी दावे झूटे, होर्मुज पर सिर्फ आईआरजीसी की चलेगी

एजेंसी►तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर नए हमले रोकने और युद्ध समाप्त करने का प्रस्ताव दिए जाने के बाद, ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। ईरान ने उन खबरों का पूरी तरह से खंडन किया है जिनमें होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने का दावा किया जा रहा था। ईरान का कहना है कि जब तक अमेरिकी की सैन्य या आक्रामक कार्रवाई जारी रहेगी, तब तक होर्मुज स्ट्रेट पर प्रतिबंध पूरी तरह लागू रहेंगे। यहां से गुजरने वाले जहाजों को केवल तय किए गए रास्तों का इस्तेमाल करना होगा और इसके लिए आईआरजीसी नौसेना की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि मध्य

पूर्व के सहयोगी पिछले पांच महीनों से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच गए हैं। ट्रंप ने कहा कि प्रस्तावित समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है, इसी आधार पर उन्होंने हमले रोकने के आदेश दिए हैं। हालांकि, ईरान के रक्षा मंत्री ने ट्रंप की घोषणा का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा कि ईरान अमेरिकी खतरों को देखते हुए पूरी तरह सतर्क है और न तो हैरान है और न ही पैसिव। क्षेत्रीय मध्यस्थों के अनुसार, अमेरिकी प्रस्ताव में दोनों देशों के बीच फिर से बातचीत शुरू करने, क्षेत्र में हमले रोकने और इराक स्थित ईरान समर्थित मिलिशिया के हमलों पर लगातार लगाने की बात कही गई है। इसके बदले अमेरिका, ईरान पर लगी नौसैनिक नाकाबंदी हटाएगा।

तेहरान ने कहा- होर्मुज स्ट्रेट पर प्रतिबंध जारी रहेंगे, किसी का दखल नहीं चलेगा।



USA

IRAN

राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार दे रहे चेतावनी, उनकी धमकियों से तेहरान डरने वाला नहीं

यूएस ने कहा- मिडिल ईस्ट तुरंत छोड़ें अमेरिकी नागरिक

मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपने नागरिकों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी नागरिकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और हालात बिगड़ने पर तुरंत वहां से निकलने की तैयारी रखने की सलाह दी है। इसके साथ ही, आम लोगों को फिलहाल मिडिल ईस्ट की यात्रा करने से बचने या पुनर्विचार करने को कहा गया है। सरकार ने आग्रह किया है कि आने वाले दिनों में उड़ानों के रद्द होने और एयरस्पेस बंद होने से हवाई यात्राएं बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों को एयरलाइंस के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि ईरान या उससे जुड़े संगठन न केवल मध्य पूर्व में, बल्कि दुनिया भर में अमेरिकी ठिकानों, दूतावासों और निजी प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकते हैं। नागरिकों से स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री ने हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

हरिभूमि न्यूज ॥भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। मप्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कृषि उपज मण्डी प्रांगण हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को जबलपुर से वर्चुअली संबोधित कर रहे

यामिनी-अजय ने बढ़ाया मप्र का मान: मंत्री सारंग

भोपाल। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बीच मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जूडो में यामिनी और वेटलिफ्टिंग में अजय बाबू ने शा न दा र प्र द र्श न करते हुए रजत पदक (सि ल्व र मे ड ल) अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों

की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सारंग ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो स्पर्धा में रजत पदक जीतकर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ी यामिनी से सारंग ने वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर उन्हें शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सारंग ने कहा कि यामिनी की यह सफलता पूरे मध्य प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सारंग ने घोषणा की कि मध्य प्रदेश सरकार की खेल नीति के अनुसार कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाले यामिनी और अजय बाबू को 25-25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही खेल नीति के प्रावधानों के अनुरूप दोनों खिलाड़ियों को सरकारी विभाग में नौकरी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पुलिस व फोरेसिक की टीम कर रही मामले की जांच-पड़ताल जंगल में मिला पांच दिन से लापता महिला का कंकाल, इलाके में हड़कंप का माहौल

हरिभूमि न्यूज ॥कबीरधाम

जिले के भोरमदेव थाना क्षेत्र में पांच दिन से लापता एक महिला का कंकाल जंगल से मिलने से सनसनी फैल गई। घर से करीब 200 मीटर दूर पेड़ से बंधी साड़ी और आसपास बिखरे मानव अवशेष मिलने के बाद पुलिस व फोरेसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। भोरमदेव थाना क्षेत्र के ग्राम चौरा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पांच दिन से लापता महिला का कंकाल घर से करीब 200 मीटर दूर जंगल में मिलने के



बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम चौरा निवासी झंगल बैना ने 1 अगस्त को थाना भोरमदेव में अपनी पत्नी चैती बाई बैना (28) की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

पूजा के कमरे में भगवान की मूर्तियों के बीच कुंडली मारकर बैठा सावन माह में घर में घुसा कोबरा सांप, पिंजरे में बंद तोते को डसा

हरिभूमि न्यूज ॥कोरबा

रविवार की सुबह सावन के महीने में कोरबा के पथरीपारा में एक नाग घर में घुसकर पहले पिंजरे में बंद तोते को अपना शिकार बना बैठा और फिर सीधा पूजा रूम में जाकर भगवान की मूर्तियों के बीच कुंडली मारकर बैठ गया। घटना पथरीपारा निवासी छोटू कुमार के घर की है।

दोपहर को घर के बाहर रखे पिंजरे से तोते की तेज चीख की आवाज आई। जब परिजन बाहर पहुंचे तो देखा कि एक बड़ा नाग पिंजरे के अंदर घुसा हुआ है। कोबरा के डसने से पालतू तोते की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। इसके बाद सांप पिंजरे से निकलकर घर के अंदर चला गया और बगल में बने पूजा कमरे में प्रवेश कर गया।

हरदा जिला कृषि क्षेत्र में नंबर वन, कृषि के हर क्षेत्र में विकास के लिए सरकार संकल्पित

ये। उन्होंने कहा कि भुआणा क्षेत्र की धरती शुरू से ही उपजाऊ रही है। हरदा कृषि क्षेत्र में नम्बर वन है। जिला मूंग, सोयाबीन, गेहूँ के उत्पादन के साथ हरी मिर्च के उत्पादन में भी अग्रणी बन रहा है। जिले के कोने-कोने तक सिंचाई का जल पहुंचाने के लिए



बलराम महोत्सव को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

कार्य किया जा रहा है। सरकार किसानों के हित में 16 विभागों की समन्वित कार्य योजना तैयार कर नियमित फसलों के अलावा दूध, मछली, पशु पालन, फल, सब्जी, मसाले, फूल एवं अन्य कृषि क्षेत्र में बेहतर उत्पादन के लिए कार्य कर रही है।

अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत खेती अब गुजरें जमाने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच कराएं। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की आय दोगुना करने का संकल्प

डॉ. यादव ने कहा कि भारत वह देश है, जो अपनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। हमारी संस्कृति 'जियो और जीने दे' पर विश्वास करती है। भगवान बलराम कृषि क्षेत्र के पहले देवता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए हम वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाए जा रहे हैं।

किसानों के प्रति सरकार के मन में अगाध श्रद्धा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में अंतरित किए गए हैं।

जरूरी पहल के रूप में स्थापित हुई योजना मप्र में पीएम स्वनिधि पखवाड़ा शुरू, 15 अगस्त तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ॥भोपाल

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना देश के शहरी पथ विक्रेताओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुई है। योजना के माध्यम से पात्र पथ विक्रेताओं को चरणबद्ध ऋण, डिजिटल वित्तीय सेवाओं तथा यूपीआई -लिंकड क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।

योजना के प्रभाव को और अधिक व्यापक बनाने तथा शेष पात्र पथ विक्रेताओं तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से एक से 15 अगस्त तक विशेष पीएम स्वनिधि पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों एवं संबंधित संसेस टाउन में एक मिशन मोड कार्यक्रम के रूप में संचालित किया जाएगा।

अभियान की शीम स्वनिधि से समृद्धि

आत्मनिर्भर शहरी मप्र की ओर निर्धारित की गई है। अभियान के माध्यम से वित्तीय समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण, स्वरोजगार संवर्धन तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। प्रदेशभर में जनजागरूकता गतिविधियों, विशेष शिविरों, बैंक समन्वय बैठकों, हितग्राही संपर्क अभियानों तथा मीडिया एवं डिजिटल संचार गतिविधियों के माध्यम से अधिकतम पात्र पथ विक्रेताओं तक पहुंच बनाई जाएगी।

अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने में मप्र बना देश का पहला राज्य

सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ काम करे पुलिस प्रशासन: सीएम

हरिभूमि न्यूज ॥भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रूपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ किलक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है। प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है।

1 पुलिस कर्मियों के लिए बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं, मेस के लिए दी जाएंगी पात्रतानुसार राशि

2 मुख्यमंत्री ने जबलपुर में संभागीय कार्यालय, तिलवारा थाना और पुलिस आवासों का किया लोकार्पण



थाना भवन एवं संभागीय कार्यालय भवन का लोकार्पण करते सीएम।

12 सौ से अधिक पेचीदा मामले सुलझाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल ऑटोमैटेड फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मप्र पूरे देश का पहला राज्य बना है। यह प्रणाली सबसे पहले मप्र ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं।

महाराजपुरा में नए थाने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च व्याख्यालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बढ़ाई जाएगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी। कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने एसडीईआरएफ टीम की प्रतिबद्धता को सराहा

मुख्यमंत्री ने खंडवा के जावर थाना क्षेत्र के हांडीकुंड में सुक्ता और आवना नदी के मध्य स्थित टापू पर फंसे चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकालने पर इस कार्य में लगी टीमों की सराहना की है। लगभग साढ़े 10 घंटे तक चले चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद

चारों युवकों को सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला गया। सीएम ने अपने संदेश में कहा कि इस अभियान में मप्र राज्य आपदा बाहर निकालने पर इस कार्य में लगी टीमों की सराहना की है। लगभग साढ़े 10 घंटे तक चले चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद

लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में लंबे समय तक संघर्ष कर टीम ने अपनी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान में सहभागी सभी अधिकारियों और कर्मियों के समर्पण, त्वरित कार्रवाई तथा कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

एक इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन लाइन भी शामिल, आधुनिक मेटेनेंस तकनीकों और सतत मॉनिटरिंग से मिली सफलता

54 वर्ष पुरानी ट्रांसमिशन लाइनें भी बनीं विश्वसनीयता की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ॥भोपाल

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की बैतुल जिले में स्थित 20 एक्सट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विद्युत पारेषण की विश्वसनीयता का उल्लेखनीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। इन ट्रांसमिशन लाइनों पर विगत लगभग 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है और इनके माध्यम से निर्बाध विद्युत पारेषण जारी है।

इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसमें शामिल कुछ ट्रांसमिशन लाइनें वर्ष 1972 में ऊर्जीकृत की गई थीं। लगभग 54 वर्ष पुरानी ये लाइनें आज भी पूरी क्षमता और विश्वसनीयता के साथ संचालित हो रही हैं। दशकों पुरानी परिसंपत्तियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन कंपनी की सुदृढ़ मेटेनेंस व्यवस्था, आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग तथा अभियंताओं और तकनीकी



प्रद्युम्न सिंह तोमर

ट्रांसमिशन नेटवर्क न केवल गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करता है। बल्कि उत्पादन केंद्रों की दक्षता-उपलब्धता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कर्मचारियों की सतत निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बैतुल जिले की इन 20 ट्रांसमिशन लाइनों सहित प्रदेश में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें विगत चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के

सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्यों में लगे आउटसोर्स कार्मिकों की तकनीकी दक्षता, समर्पण और निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है।

विद्युत उत्पादन ने भी बनी रही निरंतरता

सारणी क्षेत्र से जुड़ी इन ट्रांसमिशन लाइनों के निरंतर और निर्बाध संचालन का सकारात्मक प्रभाव विद्युत उत्पादन पर भी पड़ा है। ट्रांसमिशन नेटवर्क में किसी प्रकार का ब्रेकडाउन नहीं होने से सारणी विद्युत गृह से उत्पादित विद्युत की निकासी लगातार सुचारु रूप से होती रही। परिणामस्वरूप ट्रांसमिशन की बाधाओं के कारण उत्पादन इकाइयों को किसी प्रकार का लोड प्रतिबंध या उत्पादन कटौती नहीं करनी पड़ी। मजबूत एवं विश्वसनीय

गौरेला-पेंड़ा-मरवाही जिले का वन विभाग अलर्ट मोड पर

मप्र से विचरण कर छग की सीमा में 38 दिनों बाद लौटा तीन जंगली हाथियों का दल

हरिभूमि न्यूज ॥गौरेला-पेंड़ा-

मध्यप्रदेश में 38 दिनों तक विचरण करने के बाद तीन जंगली हाथियों का दल एक बार फिर छत्तीसगढ़ की सीमा में लौट आया है। हाथियों की आमद के बाद गौरेला-पेंड़ा-मरवाही जिले का वन विभाग अलर्ट मोड पर है और प्रभावित गांवों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

मध्यप्रदेश के जेतहरी और अनूपपुर क्षेत्र में करीब 38 दिनों तक विचरण करने के बाद तीन हाथियों का दल रविवार सुबह फिर से छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश कर गया। हाथियों के लौटने ही गौरेला-पेंड़ा-मरवाही जिले के मरवाही वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है।



बांस प्लांटेशन के कक्ष क्रमांक 2085 में पहुंचे

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, तीनों हाथी रविवार तड़के गुजरटोला स्थित गुजर नाला पार कर मरवाही वन परिक्षेत्र की सिक्की वन बीट अंतर्गत मालाडांड गांव के पास बांस प्लांटेशन के कक्ष क्रमांक 2085 में पहुंचे, जहां वे कुछ समय तक विश्राम करते रहे। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग की टीम मौके पर लगातार निगरानी कर रही है।

हाथियों के आने से क्षेत्र में दहशत का माहौल

तीनों हाथियों की वापसी से मालाडांड, सिक्की और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे जंगल की ओर जाने से बचें, हाथियों के नजदीक न जाएं और किसी भी प्रकार की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश युगलपीठ ने किये रद्द

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने दिव्यांगता प्रमाण पत्रों में अंतर पाए जाने पर डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई तथा तीन-स्तरीय सत्यापन व्यवस्था लागू करने संबंधी सिंगल बेंच के आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दिव्यांगता का निर्धारण कोई गणितीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाने वाला मेडिकल असेसमेंट है। ऐसे में अलग-अलग मेडिकल बोर्डों के आकलन में कुछ प्रतिशत का अंतर स्वाभाविक माना जाएगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश, जानबूझकर गलत प्रमाण पत्र जारी करने या दुर्भावनापूर्ण आचरण के ठोस साक्ष्य न हों, तब तक डॉक्टर को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह फैसला सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा दायर अपील पर सुनाया गया। राज्य सरकार ने 30 जनवरी 2024 को पारित सिंगल बेंच के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें दिव्यांगता प्रमाण पत्रों की जिला, संभाग और राज्य स्तर पर तीन-स्तरीय जांच व्यवस्था बनाने तथा पांच प्रतिशत से अधिक अंतर मिलने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

तीन-स्तरीय सत्यापन का प्रावधान नहीं

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह ने तर्क दिया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, उसके तहत बने नियमों तथा केंद्र व राज्य सरकार की अधिसूचनाओं में दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने, पुनः परीक्षण और अपील की पूरी वैधानिक व्यवस्था पहले से मौजूद है। खंडपीठ ने इस दलील से सहमति जताते हुए कहा कि वर्तमान कानून में तीन-स्तरीय अनिवार्य सत्यापन प्रणाली का कोई प्रावधान नहीं है। न्यायालय विधायिका द्वारा बनाए गए कानून में

दिव्यांगता का निर्धारण गणितीय प्रक्रिया नहीं



संशोधन किए बिना नई प्रक्रिया लागू करने का निर्देश नहीं दे सकती।

रिट याचिका के दायरे से बाहर थे निर्देश

अदालत ने कहा कि मूल रिट याचिका का उद्देश्य केवल दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण लागू कराना और बैकलॉग पदों को भरने तक सीमित था। याचिका में न तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी और न ही अतिरिक्त मेडिकल बोर्ड गठित करने की मांग की गई थी। ऐसे में सिंगल बेंच द्वारा तीन-स्तरीय व्यवस्था लागू करने और डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश देना रिट याचिका के दायरे से परे था।

सरकार कानून में संशोधन कर सकती है

हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि राज्य सरकार भविष्य में तीन-स्तरीय सत्यापन व्यवस्था को आवश्यक समझती है, तो वह कानून में संशोधन कर इसे लागू कर सकती है। हालांकि, वर्तमान वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर अदालत ऐसा निर्देश नहीं दे सकती। साथ ही न्यायालय ने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र से असंतुष्ट व्यक्ति के लिए अधिनियम के तहत अपील का प्रावधान पहले से उपलब्ध है। कुछ फर्जी प्रमाण पत्रों के सामने आने मात्र से पूरी व्यवस्था को विफल नहीं माना जा सकता।

केन्द्र-राज्य सरकार से मांगी ठोस कार्ययोजना

साइबर अपराध पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराधों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों में न्यायालय मूकदर्शक नहीं बना रह सकता। कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार को नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए प्रावधानों एवं ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हर साइबर अपराध के पीछे एक पीड़ित की कहानी होती है। छोटे व्यापारी और मजदूर अपनी वर्षों की कमाई कुछ ही मिनटों में गंवा देते हैं। ऐसे पीड़ितों को न्याय के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

72 वर्षीय महिला की याचिका पर सुनवाई

यह टिप्पणी जबलपुर निवासी 72 वर्षीय चैताली मित्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। याचिका में बताया गया कि वर्ष 2025 में साइबर ठगी ने उनके साथ 6.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। विभिन्न विभागों में शिकायत के बावजूद प्रावधानों कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

रिजर्व बैंक से मांगा विस्तृत जवाब

नवाई के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने दलील दी कि वह केवल बैंकिंग नियामक है और बैंक कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। इस पर कोर्ट ने कहा कि बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के तहत आरबीआई को व्यापक वैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। न्यायालय ने आरबीआई को तीन कार्य दिवस के भीतर शपथपत्र प्रस्तुत कर यह स्पष्ट करने के निर्देश दिए कि साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए उसके पास क्या वैधानिक शक्तियां हैं तथा गृह मंत्रालय की एसओपी का पालन नहीं करने वाले बैंकों के खिलाफ वह क्या कार्रवाई कर सकता है।

पुलिस अधिकारियों को फिलहाल राहत

मामले में पश्चिम बंगाल, असम, झारखंड के पुलिस महानिदेशकों तथा जबलपुर के पुलिस अधीक्षक द्वारा जांच की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद हाईकोर्ट ने फिलहाल उनकी व्यक्तित्वगत उपस्थिति से छूट प्रदान कर दी। वहीं, जबलपुर पुलिस ने अदालत की अवगत कराया कि इस मामले में पश्चिम बंगाल से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

शिवालयों में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

सावन का पहला सोमवार आज

जबलपुर। भगवान शिव की भक्ति और प्रकृति के श्रंगार से जुड़े श्रावण मास का आज पहला सोमवार 3 अगस्त को पड़ रहा है। शिवालय में अच्छी खासी भीड़ नजर आने लगी है। पूरे सावन माह में शिव की आराधना का दौर चलेगा। सभी शिव मंदिरों में हर-हर महादेव की गुंज सुनाई देने लगी है। आज पहले सावन सोमवार पर शिवालयों का नजारा कुछ और ही होगा। सुबह से ही दुग्धाभिषेक और जलाभिषेक होंगे वहीं महिलाएं सावन सोमवार का उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ से अपने पति की लंबी आयु की प्रार्थना करेंगी। श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ को बिल्वपत्र (बेलपत्री) के साथ-साथ कच्चा दूध, सफेद, फल, धतूरा, भस्मी, भांग व सुगंधित द्रव्य खासतौर पर अर्पित की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन मास में शिवजी को एक बेलपत्री चढ़ाने से 3 जन्मों के पापों का विनाश होता है। सावन मास में नगर में अनेक स्थानों पर परंपराानुसार श्रावणी मेले भरते हैं। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, में सावन मास के मेले आयोजित होते हैं। मदन महल के शारदा मंदिर में सबसे पुराना श्रावणी मेला लगता है। मदन महल की सूर्य्य वादियों के बीच ऊंचाई पर स्थित मंदिर में पहुंचने पर प्रकृति की अनुपम छटा का भी दर्शन होता है। चारों तरफ हरियाली और पहाड़ी का मनोरम दृश्य नजर आता है। यहां बड़ी संख्या में लोग



मातारानी के दर्शन करने और लाल निशान (ध्वज) चढ़ाने बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ बाजे गाजे लेकर पहुंचते हैं। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को मेले का माहौल रहता है। इसके अलावा कचनार सिटी, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी सावन मास के मेले आयोजित होते हैं।

महादेव की शाही यात्रा अगले सोमवार को

गत वर्ष की भांति इस वर्ष गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से भोलेनाथ की शाही सवारी 10 अगस्त को द्वितीय सावन सोमवार को नगर भ्रमण करेगी। उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर शहर में गुप्तेश्वर महादेव भगवान भी प्रजा का हाल जानने निकलेंगे। डॉ. स्वामी मुकुंद दास महाराज ने कहा कि सावन मास में प्रतिदिन भोले बाबा का विशेष श्रृंगार किया जाता है। भगवान की आकर्षक शोभायात्रा सबसे पहले गुप्तेश्वर क्षेत्र का भ्रमण करेगी। उसके पश्चात दशमेशद्वार, मदन महल, शास्त्री ब्रिज, बस स्टेण्ड, गंजीपुरा, बड़ा फुहारा, सराफा, कोतवाली होते हुए हनुमानताल पहुंचेगी। शोभायात्रा में गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर मुकुंददास महाराज, स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी, पगलानंद महाराज, नृसिंहदेवाचार्य, आदि उपस्थित रहेंगे।

भोलेनाथ के नित श्रृंगार का समय

मानसून की दस्तक के बाद जब धरती की चादर मानसून की रिमझिम फुहारों से भीगने लगती है, उसके बाद प्रतिवर्ष सावन का आगमन मोहक होता है। श्रावण मास का धार्मिक महत्व जगजाहिर है। यह भोलेनाथ के नित श्रृंगार का समय है। श्रावण के सोमवार भोलेनाथ को सर्मापित होते हैं। सनातन परंपरा में श्रावण का अत्यधिक धार्मिक महत्व है, साथ ही सावन का यह मौसम मेहंदी रचाने और झूला झूलने का भी है।

बिजली कंपनियों में आश्रितों को नई नियुक्ति में 3 वर्ष सीपीसीटी की छूट भी दी जाए: राकेश पाटक

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाटक ने कहा कि ऊर्जा विभाग द्वारा जारी सविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने के आदेश में अनेक विसंगतियां होने कारण सभी संबंधित कर्मचारी बहुत ही हताश निराश और परेशान हैं जिन्हें दूर नहीं किया गया तो वर्षों से इंतजार कर रहे इन अनुकंपा आश्रितों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल पाएगा। अर्थात इस अच्छे निर्णय के बावजूद सविदा अनुकंपा आश्रित नियमित नियुक्ति प्राप्त नहीं कर पाएंगे। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाटक ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा विभाग के अधीन सभी बिजली कंपनियों में मध्यप्रदेश शासन के सारे नीति नियम कानून, निर्णय और आदेश लागू होते हैं। राज्य शासन के आदेश के अनुसार ही सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स को सभी प्रकार के लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। राज्य शासन द्वारा अपने अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति देने के साथ तीन वर्ष की सीपीसीटी की परीक्षा पास करने की सुविधा दी जा रही है किन्तु इस आदेश का लाभ बिजली कंपनियों में नहीं दिया जा रहा है। राकेश डी पी पाटक ने ऊर्जा सचिव, सीएमडी पावर मैनेजमेंट और सभी एमडी गणों से अनुरोध किया है कि राज्य शासन के द्वारा अनुकंपा आश्रितों को सीपीसीटी में तीन वर्ष की छूट का आदेश बिजली कंपनियों में भी तत्काल लागू कर सभी अनुकंपा आश्रितों को इसका समुचित लाभ प्रदान कर उन्हें नई नियुक्ति देने का कष्ट करें।



पुलिस लाइन में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 173 लोगों की हुई जांच

जबलपुर। पुलिस लाइन अस्पताल में जबलपुर हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ के सदस्यों, उनके परिजनों एवं पुलिस लाइन के पुलिस परिवारों सहित करीब 200 लोगों ने भाग लिया। इसमें से 173 लोगों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर में जबलपुर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरावाणी के नेतृत्व में डॉ. नितिन चौधरी, डॉ. आरुषि जैन, डॉ. शब्द सिंह एवं डॉ. विपिन यादव ने अपनी सेवाएं दीं। पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक मनोहर वर्मा और संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने डॉ. राजेश धीरावाणी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वहीं ए.पी. तिवारी, मिथलेश तिवारी, आर.एस. कालरा, डी.एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव, ओमप्रकाश परवार, अखिल वर्मा एवं सचिव अशोक तिवारी ने चिकित्सकों की टीम का सम्मान किया। शिविर में सेवानिवृत्त डीएसपी हेमंत तिवारी, रवींद्र गौतम, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सुशील चौहान, कौशल सिंह, डी.एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और सदस्यों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

तबादलों के बाद भी नहीं सुधरी सफाई व्यवस्था, कई इलाकों में गंदगी से नागरिक परेशान

जबलपुर। नगर निगम में कुछ दिन पहले हुए ठेकबंद तबादलों के बाद शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। शहर के तुलाराम चौक, करमचंद चौक, माता गुजरी कॉलेज के आसपास तथा अंधेरदेव मस्जिद के सामने गंदगी के ढेर लगे होने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। बारिश के मौसम में फैली गंदगी से संक्रमक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि संबंधित अधिकारियों का इन क्षेत्रों की ओर ध्यान नहीं है, जबकि यह स्थिति सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। स्थानीय लोगों ने विशेष रूप से अंधेरदेव मस्जिद के सामने



स्थित ट्रस्ट की खाली जमीन का मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि यहां बड़ी संख्या में आवारा मवेशी और सूअर विचरण करते हैं, जिससे क्षेत्र में लगातार गंदगी फैल रही है। बारिश के कारण हालात और भी खराब हो गए हैं तथा आसपास रहने और आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि इन क्षेत्रों में तत्काल विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा आवारा मवेशियों और सूअरों की समस्या का भी स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

मथहूर कव्वाल अजीम नाजा की कव्वाली आज

जबलपुर। मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी स्थित हजूरत सैय्यदना शहाबुद्दीन उर्फ मौलाना मखदूम अलीसुरेहमान रहमतुल्लाह अलैह के उर्स मुबारक के अवसर पर आज सोमवार रात्रि 10 बजे जमीअतुल कुरेश के तत्वावधान में मंडी मदार टेकरी जाना मस्जिद के सामने मव्य कव्वाली महफिल का आयोजन किया जा रहा है। रात्रि 10 बजे से आयोजित होने वाली इस रुहानी महफिल में मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना तथा विशेष अतिथि हाजी कदर सैनी एवं मतीन अंसारी उपस्थित रहेंगे। महफिल की खास आकर्षण हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल अजीम नाजा होंगे, जो अपने साधियों के साथ सुफियाना कलाम पेश करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष अमीन कुरेशी, हाजी निजाम कुरेशी, टीपू कुरेशी, डॉ. ताजदर चौधरी, रियाज कुरेशी, जानिसार अख्तर एवं अन्य सदस्यों ने शहरवासियों और अर्कद्वतमंदों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस रुहानी महफिल की बरकतें हासिल करें।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व महाआरती आयोजित

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र की वेंकेश्वर बिहार कॉलोनी स्थित न्यू रामनगर के लगभग 16 वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर में शिवलिंग, भगवान हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित अवस्था में मिलने से क्षेत्र मर तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मंदिर परिसर पहुंच गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

घटना की जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और मंदिर का निरीक्षण किया। धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से स्थानीय नागरिकों के सहयोग से मंदिर परिसर में सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा पाठ एवं महाआरती का



आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक एकता का संदेश दिया। राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकोशल प्रांत मंत्री अर्पित सिंह ठाकुर ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर में हुई तोड़फोड़ एवं प्रतिमाओं को खंडित किए

जाने की घटना की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कर दोषियों की पहचान की जाए तथा उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बना रहे।

गोलछा आर्थोकेयर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का कारनामा

मरीजों की जान के साथ हो रहा खिलवाड़

जबलपुर। स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही के चलते नगर में चिकित्सा नियमों की धजियां उड़ाते हुए निजी अस्पतालों द्वारा तरह-तरह के कारनाम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गौरीघाट रोड पर आदर्श नगर में स्थित गोलछा आर्थो केयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा। विश्वस्त सृत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस हॉस्पिटल के संचालक द्वारा अस्पताल के बेसमेंट में घायल मरीजों को भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस अस्पताल में केवल एम्बुसीटेल मरीजों का इलाज किया जाता है।

बेसमेंट में चलाया जा रहा हॉस्पिटल

....**तो भागने की जगह नहीं मिलेगी-** हाल ही में अस्पताल में आग लगने की अनेक घटनाएं हो चुकी हैं इनमें कई मरीजों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इस सबबध में शिकायत करने वाले जागरूक लोगों का कहना है कि यदि कभी अस्पताल के बेसमेंट में आग लगने की घटना होती है, तो घायल मरीज वहां से भागकर अपनी जान कैसे बचावेंगे। सबसे अधिक आश्चर्य में डालने वाली बात ये है कि इतनी बड़ी विस्मृति के बावजूद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय जबलपुर द्वारा कैसे इस अस्पताल का पंजीयन कर दिया गया। अनेक जागरूक लोगों ने जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांग की है कि इस हॉस्पिटल का पंजीयन निरस्त कर उसे तत्काल बंद करया जाए ताकि यहां मर्ती होने वाले मरीजों जान पर संकट न आए।

सावन के पहले सोमवार को बाबाताल में पार्थिव शिवलिंग

हर हर महादेव से गुंजेंगे शिवालय

सिहोरा। भगवान भोलेनाथ की भक्ति का पावन महिना श्रावण मास प्रारंभ हो गया है आज पहले सावन सोमवार को जहां नगर उपनगर के सभी शिव मंदिरों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे तो वहीं ब्राह्मण समाज सिहोरा के तत्वावधान में इस वर्ष भी शिव मंदिर बाबताल में सुबह 7 बजे से 12 बजे तक विशाल पार्थिव शिवलिंग निर्माण के बाद अभिषेक होगा। सभी से पहुंचने की अपील समाज द्वारा की गई है।

शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा आज

हनुमान मंदिर स्टेशन रोड खितौला बाजार में देवाधिदेव महादेव शिव शंकर (शिवलिंग) की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा का पावन अनुष्ठान आज आयोजित किया जा रहा है। पुजारी सुनील द्विवेदी ने इस मंगलमय अवसर पर सभी भक्तों से पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने एवं भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

अखंड रामायण पाठ का आयोजन

श्रावण मास प्रारम्भ होते ही वार्ड 16 एस एस कालेज रोड खितौला स्थित भगवान शंकर,पवन पुत्र हनुमान,आदिशक्ति दुर्गा जी के मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है जो अनवरत एक महा तक जारी रहेगा। आयोजन में



पहुंचने की विनिता तिवारी,मनोरमा पांडे,गोली तिवारी,सुशील तिवारी,भगत पटेल,दामोदर पटेल,राकेश पटेल,निककी मिश्रा,राकेश बर्मन,रूप चंद पटेल,बिनोद चौरसिया,प्रमोद यादव आदि ने की है।



बरेला में आर्थिका संघ के पावन वर्षा योग हेतु कलश स्थापना समारोह संपन्न

बरेला। राष्ट्र सन्त पूज्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य चर्चा शिरोमणि आचार्य समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं आज्ञा से तथा पूज्य आर्थिका गुरु मति माताजी एवं दृढमति माताजी की संघस्थ आर्थिका द्वय पूज्य 105 धारणामति माताजी एवं मुदितमति माताजी के पावन वर्षा योग हेतु कलश स्थापना का कार्यक्रम वा.ब्र. प्रदीप 'पीयूष' शास्त्री जी के कुशल संयोजन में दिगंबर जैन पंचायत सभा के तत्वावधान में, श्री विद्या शैल धाम में संपन्न हुआ। प्रथम चरण में कु. हर्षिता व निहारिका, सुनीता (सडोरा) एवं ब्रम्हाचारिणी दीदीगण द्वारा मंगलाचरण किया गया तत्पश्चात नेहा व पलक द्वारा श्री पार्श्वनाथ चालीसा, मिसिका, समीक्षा व अनिका द्वारा नृत्य एवं बहु मण्डल द्वारा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। आचार्य श्री के संगीतमय अष्ट द्रव्य की पूजन में समाज के सभी वर्गों, संगठनों तथा आगन्तुक अतिथियों ने सहभागिता प्रदान की। श्रावक श्रेष्ठियों ने बोलियों के माध्यम से कलश लिये।

आर्य कन्या विद्यालय में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। आर्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नैपियर टाउन, जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से “वृक्षों की महत्ता” विषय पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भाषण, कविता, गीत एवं निबंध प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर एवं आसपास लगभग 150 पौधों का रोपण किया गया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला गवर्नर (लायंस क्लब) राजीव अग्रवाल एवं डॉ. नीरज बडेडिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायंस क्लब की अध्यक्ष मीना गुप्ता ने



की, जबकि सचिव उमेश जैन उपस्थित रहे। इस अवसर पर भरत अग्रहरि सहित पर्यावरण संरक्षण एवं सर्वेक्षण से जुड़े श्रद्धा साहू, मौली जैन, सुनीता जैन, ज्योति

जैन, राजेंद्र पटेल, कांता, रेणुका तिवारी, बबीता शुक्ला, अलका पटेल, नीलम खरे, आशा रिछारिया, हरदीप कौर एवं सरला मोदी की सहभागिता उल्लेखनीय

राजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय संचालन समिति बनाई जाए गोंडवाना संरक्षण संघ ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जननायक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर आगमन पर गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के प्रतिनिधि मंडल ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस कंवेक्शन हॉल गीता भवन में आदिवासी परंपरा अनुसार गमछा, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी, राजेन्द्र चौधरी ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें उनसे मांग की गई कि राजा शंकर शाह और कुं. रघुनाथी शाह स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के सुचारु संचालन के लिए एक समिति गठित की जाए, जिसमें गढ़ा गोंडवाना संघ जबलपुर के पदाधिकारियों को शासकीय सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। बताया गया गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ ने गुहमंत्री, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय और राज्य सरकार



को ज्ञापन दिया था, किन्तु इंटेक कंपनी ने विधिवत कार्य नहीं किया, जिस स्थान पर बावनगढ़ का कीर्ति स्तंभ बनाया जाना था वहां पर बिजली के पोल लगा दिए गए और उसके आगे शौचालय भी बना दिया गया। मांग पर मुख्यमंत्री ने आश्चस्त किया कि अतिशीघ्र एक संचालन समिति का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम में गोंडवाना संरक्षण संघ के अजय झारिया कार्यवाहक

अध्यक्ष, जगदीश नन्हेट, राजेन्द्र कापसे, सरमन रजक, अनुराग सिंह, गयाप्रसाद धुवें, सुरेन्द्र लखेरा, अनिल परस्ते, तीरथ सिंह, भानसिंह तेकाम, महेश बट्टी, f सवनी लखनादौन से केवल प्रसाद परस्ते, पंचायत इंस्पेक्टर श्याम सुंदर ठाकुर, परमलाल कुरेती, आकाश सोनकर, शिवकुमार, बानसिंह मरावी पंडा, पन्ना से लल्लू सिंह आदि ने सहभागिता की।

सिहोरा विधायक की अगुवाई में पुनर्गठन आयोग से मिलेंगे सिहोरावासी

सिहोरा। विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से सिहोरा जिला बनाए जाने संबंधी समर्थन पत्र लेकर सिहोरा वासी विधायक संतोष बरकड़े के नेतृत्व में मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मिलकर जिला का अपना दावा प्रस्तुत करेंगे। ऐसा निर्णय लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की रविवार को आयोजित हुई बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश - विदित हो कि इससे पूर्व 26 दिसंबर 2025 को सिहोरा जिला के लिए आंदोलित सिहोरा वासियों को लेकर सिहोरा विधायक मुख्यमंत्री से भोपाल में मिले थे। जिसके बाद मुख्यमंत्री ने सिहोरा वासियों द्वारा प्रेषित ज्ञापन को परीक्षण के लिए राजस्व विभाग को प्रेषित कर दिया। चूंकि प्रदेश सरकार द्वारा पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया है इसलिए राजस्व विभाग ने इस पूरे मामले को पुनर्गठन आयोग को प्रेषित करते हुए जिला के

लक्ष्य जिला आंदोलन समिति की बैठक

ज्ञापन का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उक्त पत्र को प्राप्त लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति की प्रतीत होते ही समिति ने यह बैठक आयोजित की और यह निर्णय लिया कि शीघ्र ही वे विधायक के नेतृत्व में आयोग से मिलेंगे।

समर्थन पत्र हेतु कमेटी गठित- विधायक सिहोरा,बड़वारा,बहारीबंद एवं मझौली तथा जिला पंचायत सदस्यों से सिहोरा जिला के लिए मुख्यमंत्री का नाम प्रेषित पत्र प्राप्त करने हेतु एक समिति का गठन बैठक में किया गया।इस समिति में शिशिर पांडे,रमेश पटेल,राकेश पाठक,बिहारी पटेल,अनिल जैन,कृष्ण कुमार कुररिया,विकास दुबे,संतोष वर्मा होंगे पूर्व विधायक दिलीप दुबे

एवं राजेश दाहिया इस हेतु इस समिति का मार्गदर्शन करेंगे। 15 अगस्त से पूर्व आयोग से मिलेंगे-समर्थन पत्र प्राप्त के पश्चात समिति के सदस्य विधायक की अगुवाई में भोपाल पहुंचकर मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मिलकर अब तक की हुई कार्रवाई के विषय में जानकारी लेंगे तथा एकत्रित समर्थन पत्र समिति को सौंपेंगे। समिति ने यह भी कहा कि सिहोरा विधायक के आगे आने तथा मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं पत्र पुनर्गठन आयोग को प्रेषित किए जाने से सिहोरा जिला की वर्षों से लंबित मांग पूरी होने के दिन निकट आ रहे हैं। इस बैठक में समिति के राजेश दाहिया,बिहारी पटेल,संतोष वर्मा ,नितेश खरया,जितेंद्र श्रीवास्त, अभिषेक जैन, आनंद प्रकाश जैन, संतोष पांडे, प्रदीप दुबे, राकेश पाठक, संतोष पांडे, सुशील काळी ,कृष्ण कुमार कुररिया, रमेश पटेल, सुशील जैन, गुड्डू कटैया आदि उपस्थित थे।

नादिर कुरेशी को पेंशनर्स एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष नियुक्त

मझौली। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमार दुबे ने राकेश पाठक प्रांतीय महामंत्री की अनुशंसा पर पेशसनर की समस्या के लिए मझौली के सेवा निवृत्त शिक्षक शेख नादिर कुरेशी को पेंशनर्स एसोसिएशन मझौली तहसील का अध्यक्ष नियुक्त किया इनकी नियुक्ति पर सेवा निवृत्त कर्मचारियों सहित ओम प्रकाश शर्मा वेद प्रकाश साहू, किशोरी लाल विश्वकर्मा सुजील कुमार गर्ग हिमावत सिंह मथुरा प्रसाद मिश्रा अनिल उपाध्याय उमेश कुमार गर्ग राम कृष्ण पृथगत ठाकुर विजय कुमार पटेल राजेन्द्र कुमार दुबे मुहम्मद दुबैत चंद कुमार उपाध्याय आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।



स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत व्याख्यान आयोजित



भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार है साहित्य: डॉ. लीला भलावी, पूर्व कुलगुरु

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ़ एक्सिलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर द्वारा “भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य का महत्व” विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. लीला भलावी, पूर्व कुलगुरु ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि भारतीय साहित्य केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान-परंपरा, सांस्कृतिक चेतना, नैतिक मूल्यों तथा जीवन-दर्शन का सशक्त संवाहक है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार है साहित्य। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता तथा संत साहित्य ने भारतीय समाज को सत्य, धर्म, करुणा, कर्तव्य और लोकमंगल

की भावना से प्रेरित किया है। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग ने कहा कि भारतीय साहित्य ने सदैव मानवता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में भी भारतीय ज्ञान परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे विद्यार्थी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ते हुए वैश्विक दृष्टिकोण विकसित कर सकें। प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.सी. तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय साहित्य की समृद्ध परंपरा, उसके दार्शनिक आयाम तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में, बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



पीएसएम का 138वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

जबलपुर। शासकीय प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (पीएसएम) जबलपुर का 138वां स्थापना दिवस समारोह 31 जुलाई को महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मनाया गया। स्थापना दिवस का शुभारंभ सर्वधर्म प्राश्ना, उन्नीतमय रामचरित मानस सुंदरकांड, हवन, पूजन, दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण, सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस समारोह में अध्यक्षनरत बीईडी, एमईडी के प्रशिक्षणार्थियों ने शामिल होकर एक से बढ़कर एक नृत्य, गीत, संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस महाविद्यालय की स्थापना 31 जुलाई 1889 को हुई थी जिसके आज तक के गौरवपूर्ण विकासक्रम की ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी समावेशी शिक्षा प्रभारी डॉ. रामनरेश पटेल ने दी। समारोह के मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक, शिक्षा प्रचार्य मॉटेसरी डॉ. राममोहन तिवारी रहे, अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती एच इक्का ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. पीएल मिश्रा रहे। इस आयोजन में डॉ. रामनरेश पटेल, डॉ. ज्योत्स्ना दुबे, डॉ. राजकुमारी दुबे, प्रशंत मिश्रा, भूतपूर्व छात्राध्यक्ष संजीव अग्रवाल, डॉ. ज्योति खरे, ललिता राणा, अप्पला खरे, डॉ. प्रमोद श्रवास्वत, मोहन सिंह, अर्चना दुबे, डॉ. सारिका चौकसे, रीनु मोर, शेख मुनीर सहित प्रशिक्षणार्थियों का योगदान रहा। आयोजन में प्रदीप तिवारी, निधि दुबे, सुजीता लखनपाल, सौरभ उड्डके, राकेश अग्रवाल, राजेश तायवाडे, मनोष जैन, यशवंत नायक, कु. छवि निपाठी, के साथ जबलपुर संभाग के बीएड, एफएड प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही। समारोह का संचालन आचार्य विनोद घोषी द्वारा तथा आभार प्रदर्शन विनीत सिंह चौहान ने किया।

नशामुक्त होकर राष्ट्र का नवनिर्माण करें युवा : आत्माराम

जबलपुर। आज युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सेवा भारती प्रान्त संगठन मंत्री आत्माराम का शांतम प्रज्ञा आश्रम, नशा मुक्ति, मनोआरोग्य एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में आगमन हुआ। उन्होंने आश्रम में उपचाररत नशा पीड़ित एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजों से संवाद किया।

अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए वहाँ की युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। युवा ही राष्ट्र का भविष्य होते हैं तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे देश की उर्जा, नई सोच और भविष्य की रीढ़ हैं तथा नवाचार, सामाजिक परिवर्तन एवं आर्थिक विकास के प्रमुख संवाहक हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत को सामाजिक रूप से और अधिक सशक्त होने की आवश्यकता है। पाश्चात्य सभ्यता का अधानुकरण युवाओं के पथभ्रष्ट होने का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। समाज में तेजी से बढ़ रही नशे की



प्रवृत्ति एवं आत्महत्या जैसी गंभीर समस्याओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय यह है कि माता-पिता, परिवार एवं शिक्षक बच्चों से नियमित संवाद करें, उनकी भावनाओं को समझें तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन दें। साथ ही भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो, जिससे युवा स्वयं, परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें और उनका निर्वहन करें। इस अवसर पर श्री आत्माराम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा कार्य एवं सेवा भारती

के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि सेवा भारती पूरे भारत में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ना सेवा भारती का प्रमुख ध्येय है। इस अवसर पर सेवा भारती प्रान्त संगठन मंत्री आत्माराम, मुकेश पटेल, रॉयल एकेडमी के राकेश, रामावतार कुशवाहा तथा शांतम प्रज्ञा आश्रम के अध्यक्ष मुकेश कुमार सेन उपस्थित रहे।



श्री राहुल रजक- पांडे व्यास चौक गुणेश्वर निवासी श्री श्याम लाल रजक के पुत्र श्री राहुल रजक (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुणेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री सुरेश कुमार- गोकलपुर निवासी श्री सुरेश कुमार (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री ओम प्रकाश शायलवार- ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री ओम प्रकाश शायलवार (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री अनीश चौबे- सिद्धबाबा वार्ड चाचा किराना के पास निवासी श्री संतोष चौबे के पुत्र श्री अनीश चौबे (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश प्रसाद दुबे- जगदंबा कॉलोनी विजयनगर निवासी श्री रमेश प्रसाद दुबे (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती गुड्डी देवी नाहर- सदर कैट निवासी श्री गया प्रसाद नाहर की धर्मपत्नी श्रीमती गुड्डी देवी नाहर (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री जगदीश सिंह ठाकुर- छापरा विजय नगर रामपुरनिवासी श्री जगदीश ठाकुर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। दानपति जय कुमार जैन- सिहोरा- खितौला निवासी दानपति श्री जयकुमार जैन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था । अंतिम संस्कार खितौला स्थित हिरन नदी घाट में किया गया। वे स्व. श्री दानपति हुकम चंद जैन के छोटे सुपुत्र, दानपति प्रशान्त जैन गोल्ड एवं प्रवीण जैन छोटू के पिताजी थे।





इंडियन ऑयल का घाटा बढ़कर 2,661 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर 2,661.37 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि लागत बढ़ने के बावजूद ईंधन की कीमतें स्थिर रखने से यह घाटा हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 5,688.60 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था जबकि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में उसे 11,377.51 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी।

त्योहारी मांग में सुधार से तेल के भाव मजबूत

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों के लिए बाजार में मांग बढ़ने के साथ किसानों की ओर से तिलहन की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में देश में आयातित खाद्य तेलों के मुकाबले बिनीला, सरसी और मूंगफली तेल के दाम ऊंचे हैं। अधिक ऊंचे दाम का लाभ ले चुके किसान अब नीचे दाम (जो न्यूनतम समर्थन मूल्य सा एमएसपी से अधिक ही है) पर अपनी उपज बाजार में बेचने से कतरा रहे हैं।

पूंजीकरण में बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक फायदा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,51,228.75 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में तेजी के बीच बजाज फाइनेंस लिमिटेड को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,034.87 अंक यानी 2.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई नifty61 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

रेनो इंडिया की घरेलू बाजार में बिक्री 27.9 प्रतिशत बढी

नई दिल्ली। रेनो इंडिया की बिक्री जुलाई, 2026 में घरेलू बाजार में 3,293 वाहन रही है। यह पिछले साल के इसी माह के 2,575 इकाई के आंकड़े से 27.9 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार, रेनो इंडिया ने लगातार 11वें महीने सालाना आधार पर दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन उसके पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो में बनी मांग और हालिया उत्पाद पहल के कारण संभव हुआ है। रेनो इंडिया ने कहा कि वह भारतीय यात्री वाहन बाजार के प्रमुख क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और बिक्री की इस स्तर को बनाए रखने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है।

एस्टेट का आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी एसेट्ज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के जरिये लगभग 1,200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। सिंगापुर स्थित निवेश कोष एजीपी पार्टनर्स कंपनी में एक प्रमुख शेयरधारक है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने निर्गम के लिए गोपनीय मार्ग से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और शेयर बाजारों के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) जमा किया है।

एआई से नौकरियों को लेकर अनिश्चितता, अधिक संवाद की जरूरत

एजेसी ►► नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण देश के युवाओं में रोजगार और अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। उनका कहना है कि युवाओं की चिंताओं को समझने और दूर करने के लिए सरकार और नीति-निर्माताओं को उनके साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए। कुमार ने कहा कि देश का युवा एआई की वजह से अपने भविष्य को लेकर काफी असमंजस में है। नीट पेपर लोक मामले को लेकर युवाओं के विरोध-प्रदर्शन संबंधी सवाल पर उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा

15 से 29 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर अधिक

कुमार ने कहा कि हाल के आर्थिक क्षमबल सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार, 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की स्थिति चिंता का विषय है। इस आयु वर्ग में युवाओं की बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, "यदि आप उनकी स्थिति में होते, तो आप भी काफी परेशान होते। इसीलिए मैं चाहता हूँ कि युवाओं के साथ बातचीत चाली रहे।"

युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्या समझे

जून, 2026 के आंकड़ों के मुताबिक इस आयु वर्ग में महिलाओं की बेरोजगारी दर 20.7 प्रतिशत और पुरुषों की 14.6 प्रतिशत रही। उन्होंने सुझाव दिया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित कार्य बल के प्रमुख इनफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को भी युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए और उन्हें भविष्य को लेकर भरोसा दिलाना चाहिए।

सरकार के सिगरेट पर भारी कर बढ़ोतरी का असर दिखने लगा

कर बढ़ोतरी से सिगरेट कंपनियों पर दबाव शुद्ध राजस्व व मुनाफे में भारी गिरावट

एजेसी ►► नई दिल्ली

सरकार द्वारा सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर करों में की गई भारी बढ़ोतरी का असर अब देश की प्रमुख सिगरेट कंपनियों के प्रदर्शन पर साफ दिखाई देने लगा है। नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में आईटीसी लि., गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शुद्ध राजस्व, बिक्री मात्रा और मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों कंपनियों की देश के सिगरेट बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। बाजार के विभिन्न अनुमानों के अनुसार, भारत में सिगरेट की वार्षिक खपत करीब 100-120 अरब सिटक के आसपास है। सरकार ने इस साल फरवरी में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया था।

खास बातें

- तीनों कंपनियों की देश की सिगरेट बाजार में 90 फीसदी हिस्सेदारी
- भारत में सिगरेट का वार्षिक उत्पादन 120 अरब सिटक के आसपास



सिगरेट की लंबाई के आधार पर उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू

इसके साथ ही पुराने मुआवजा उपकर की जगह लंबाई के आधार पर नई अतिरिक्त उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू की गई, जो प्रति 1,000 सिगरेट पर 2,100 रुपये से 8,500 रुपये तक है। हालांकि, कर बढ़ोतरी के बाद कंपनियों को बिक्री से प्राप्त कुल आय में वृद्धि दिखाई दी, लेकिन वास्तविक या शुद्ध राजस्व पर इसका नकारात्मक असर पड़ा।

कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

कंपनियों को बड़े हुए कर का बोझ कीमतों में समायोजित करने, बिक्री मात्रा बनाए रखने और उत्पाद पोर्टफोलियो में बदलाव करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। देश की अग्रणी सिगरेट कंपनी आईटीसी ने जून तिमाही में अपने सिगरेट कारोबार से परिचालन राजस्व में 73.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह बढ़कर 16,596.67 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 9,555.86 करोड़ रुपये था।

मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को स्थिर रखने की संभावना

एजेसी ►► मुंबई

मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों और एफसीएनआर (बी) जमा योजना पर रख को लेकर प्रतीक्षा के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी आसत की मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रख सकता है। देश के 10 अर्थशास्त्रियों और ट्रेजरी प्रमुखों के एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है।

ज या दा त र उत्तरदाताओं का अनुमान है कि केंद्रीय बैंक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और असमान मानसून से मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी नीतिगत स्थिति को 'तटस्थ' बनाए रखेगा। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक 'देखो और प्रतीक्षा करो' की मुद्रा में रहेगा क्योंकि वह महंगाई के उभरते परिदृश्य का



आकलन कर रहा है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'फिलहाल, मुद्रास्फीति नरम बनी हुई है और ऐसे में यथास्थिति ही सबसे अच्छा नीतिगत विकल्प है।' जन समाल फाइनेंस बैंक के ट्रेजरी प्रमुख गोपाल त्रिपाठी ने कहा कि केंद्रीय बैंक मानसून की स्थिति और एफसीएनआर (बी) योजना की सफलता का इंतजार करेगा। नीतिगत दरों पर फैसला करने के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) तीन अगस्त से पांच अगस्त के बीच बैठक करेगी। केंद्रीय बैंक ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल से रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। अगस्त में उहराव की उम्मीदों के बावजूद, अधिकांश उत्तरदाता वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान नीतिगत दर के ऊपर जाने की संभावना देखते हैं।

मुद्रास्फीति का दबाव आपूर्ति प्रेरित

यदि मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो अधिकांश प्रतिभागी चालू वित्त वर्ष के दौरान कम से कम दो बार दर वृद्धि की उम्मीद करते हैं। आईडीएफसी फस्ट बैंक की अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव काफी हद तक आपूर्ति-प्रेरित है और इसके लिए तत्काल मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं हो सकती है।



जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का किया उत्पादन

मारुति का जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज

एजेसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।

- पिछले साल के इसी महीने से 33 प्रतिशत अधिक निर्माण

कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पाथी बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही।



कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे

इस दौरान कंपनी ने 1.96.203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1.37.776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। उत्पादन के मामले में कंपनी ने जुलाई में ऑल्टो और एस-प्रेसो की 13,964 इकाइयों का विनिर्माण किया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 11,484 इकाई था।

आईटी उद्योग में नई नौकरियां नहीं हो रही पैदा : श्रीधर वेम्बू

एजेसी ►► नई दिल्ली

जोहो के संस्थापक एवं मुख्य वैज्ञानिक श्रीधर वेम्बू ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में कंपनियों का बड़ा हिस्सा

- एआई व डाटा सेंटर पर खर्च बढ़ा

अब कृत्रिम मेधा (एआई) और डाटा सेंटर की बढ़ती लागत पर खर्च हो रहा है, जिससे नयी नौकरियां कम पैदा हो रही हैं। वेम्बू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि जोहो समेत आईटी उद्योग क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर छंटनी से तो बचाव किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नयी नौकरियों के अवसर भी नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा, जो पैसा पहले नए कर्मचारियों

बीओएम ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई



और शुल्क में छूट की इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ पर 'लंबी उड़ान' की तैयारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

ईंडिगो एयरलाइन अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे होने पर अब एक 'लंबी दूरी की उड़ान' शुरू करने की तैयारी कर रही है और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही है। इसके तहत एयरलाइन

- अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर कर रही है काम

दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321



एक्सएलआर विमान अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है और 2028 से ए350 बड़े आकार के विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। ईंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि व्यापक घरेलू नेटवर्क के दम पर कंपनी अब 'लंबी दूरी की उड़ानों' की दिशा में बड़ा कदम उठाने को तैयार है और ए321 एक्सएलआर तथा बाद में ए350 विमानों के जरिये अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। हालांकि, भाटिया ने कहा कि चार अगस्त को कंपनी की 20वीं वर्षगांठ है, लेकिन अब भी इंडिगो

खाड़ी देशों की एयरलाइंस के कब्जे में भारत का बड़ा हिस्सा

भाटिया ने कहा कि लंबी दूरी की रणनीति का मुख्य केंद्र भारतीय यात्रियों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय को सेवा देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाड़ी देशों की एयरलाइन्स ने अपने केंद्र के जरिये भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यातायात का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया, जिससे आर्थिक मूल्य विदेश चल गया।

को वैश्विक एयरलाइन कहना जल्दबाजी होगी। प्रबंध निदेशक के साथ ही कंपनी के सह-संस्थापक भाटिया ने कहा, /"क्या हम वहां पहुंचना चाहते हैं? हां, हमारी आकांक्षा है, लेकिन कंपनी का मूल अब भी घरेलू नेटवर्क ही है। बड़े विमानों के साथ कुछ प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन हमें वैश्विक कहना अभी कल्पना को बढ़ाना होगा।

रेडिसन की भारत में विस्तार के लिए छोटे शहरों पर नजर

एजेसी ►► नई दिल्ली

रैडिसन होटल ग्रुप ने भारत को अपने वैश्विक विस्तार का प्रमुख केंद्र बताते हुए वर्ष 2030 तक देश में 500 होटल के परिचालन के लक्ष्य

- वर्ष 2030 तक 500 होटल के लक्ष्य पर कायम

पर कायम रहने की बात कही है। कंपनी का मानना है कि उभरते शहरी केंद्रों और क्षेत्रीय नगरों, धार्मिक पर्यटन स्थलों तथा होटल में बदलाव (मौजूदा होटल को रैडिसन ब्रांड से जोड़ने) के माध्यम से उसका विस्तार और तेज होगा। रैडिसन होटल ग्रुप के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी निखिल शर्मा ने कहा कि भारत अब केवल एक महत्वपूर्ण बाजार नहीं, बल्कि कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनी ने 18 नए होटल के लिए हास्ताक्षर किए हैं और चार नए होटल शुरू किए। इसके साथ ही कंपनी की विकास के तहत परियोजनाओं की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जबकि इसके 86 शहरों में



विस्तार महानगरों तक सीमित नहीं

शर्मा ने कहा कि कंपनी अब केवल दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरु और हैदराबाद जैसे पारंपरिक महानगरों तक सीमित नहीं है। रेडिसन अब राजकोट और जमशेदपुर जैसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों, सिलीगुड़ी जैसे प्रवेश द्वार शहरों, कसौली और गोपालपुर जैसे पर्यटन स्थलों तथा नाथद्वारा और प्रयागराज जैसे धार्मिक केंद्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

142 होटल परिचालन में हैं। शर्मा के अनुसार, अगले दो साल में कंपनी तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इनमें विकासधीन होटल को तेजी से परिचालन में लाना, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में अपनी मौजूदगी मजबूत करना तथा व्यापारिक, अवकाश और धार्मिक पर्यटन स्थलों में संतुलित विस्तार शामिल है।



कम हो) का प्रत्यक्ष रूप से वित्तपोषण करेगी। एक अधिकारी ने कहा, '‘शायद यह पहली बार है जब दुनिया की कोई सरकार बजट से जोखिम अन्वेषण का वित्तपोषण कर रही है।’' उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में कुल मिलाकर 60 गहरे जल और अत्यधिक गहरे जल वाले अन्वेषण कुओं का वित्तपोषण बजट से किया जाएगा। अन्वेषण कुओं की खुदाई की लागत का एक हिस्सा वहन करने के अलावा, सरकार साझा बुनियादी ढांचे का भी आंशिक वित्तपोषण करेगी। इससे कई परिचालकों को साझा परिसंपत्तियों का उपयोग करके हाइड्रोकार्बन खोज का व्यावसायिक उपयोग करने की अनुमति मिलेगी।

अपस्ट्रीम क्षेत्र के पास सीमित अनुभव

इक्रा लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा कि यह योजना गहरे जल/अत्यधिक गहरे जल वाले कुओं की ड्रिलिंग के लिए सहस्रता प्रदान करती है, जहां घरेलू अपस्ट्रीम क्षेत्र के पास सीमित अनुभव और इक्का दोहन अत्यधिक पूंजी-गहन और जोखिम भरा बना हुआ है। योजना का 84,084 करोड़ रुपये का परिव्यय अन्वेषण श्रृंखला के सबसे जोखिम भरे हिस्से पर केंद्रित है।



चिंतन

नशामुक्त युवा विकसित भारत की मजबूत नींव

नशा किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बर्बाद करने वाला अभिशाप भर नहीं है, यह समाज और राष्ट्र की ताकत को भीतर से कमजोर करने वाला गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान’ की शुरुआत करते हुए इसकी सप्लाइ को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। उनका यह बयान नशे की समस्या को केवल स्वास्थ्य या कानून-व्यवस्था के सवाल से आगे ले जाकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ता है। यदि किसी देश के युवाओं को सुनियोजित तरीके से नशे की गिरफ्त में धकेलने की कोशिश होती है तो उसका मुकाबला भी उतनी ही गंभीरता और रणनीति के साथ करना होगा। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक और मजबूत बुनियादी ढांचे से पूरा नहीं होगा। इसकी सबसे मजबूत नींव देश का स्वस्थ, शिक्षित, सक्षम और नशामुक्त युवा होगा। नशा युवाओं के सपनों पर सबसे पहले हमला करता है। जिस उम्र में युवा शिक्षा हासिल कर सकता है, हुनर विकसित कर सकता है, खेल में आगे बढ़ सकता है या अपना कारोबार शुरू कर सकता है, उसी उम्र में नशे की गिरफ्त उसका भविष्य रोक सकती है। नशा कुछ समय के लिए मानसिक उत्तेजना या राहत का भ्रम दे सकता है, लेकिन इसकी कीमत स्वास्थ्य, पैसा, रिश्तों और करियर से चुकानी पड़ती है। प्रधानमंत्री ने ड्रग्स की सप्लाय को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश से जोड़ते हुए जिस खतरे की ओर संकेत किया है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि नशीले पदार्थों की तस्करी के पीछे संगठित अपराध और देशविरोधी नेटवर्क सक्रिय हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की लड़ाई भी है। ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और वितरण से जुड़े पूरे नेटवर्क को तोड़ना होगा। सीमाओं से लेकर शहरों और गांवों तक पहुंच चुकी सप्लाय चेन पर लगातार और प्रभावी निगरानी जरूरी है। हालांकि केवल तस्करोँ पर कार्रवाई से नशे की समस्या खत्म नहीं होगी। जितनी जरूरी सप्लाय रोकना है, उतना ही जरूरी नशे की मांग को कम करना भी है। इसके लिए परिवारों, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में केवल भाषण देने से बात नहीं बनेगी। उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के ठोस अवसर देने होंगे। खेल के मैदान, कौशल विकास, रोजगार, स्टार्टअप, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियां युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दे सकती हैं। इसी दृष्टि से अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की पहल को जनभागीदारी से जोड़ना जरूरी है। किसी अभियान की सफलता केवल शपथ लेने या कार्यक्रम आयोजित करने से नहीं मापी जा सकती। असली सफलता तब होगी, जब नशे की उपलब्धता घटे, युवाओं में जागरूकता बढ़े और नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को समय पर उपचार और पुनर्वास मिले। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब सरकार की सख्ती और समाज की संवेदनशीलता साथ चलें। तस्करोँ के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वस्थ मनोरंजन के रास्ते भी खुलें। परिवार बच्चों से संवाद बढ़ाएं और शिक्षण संस्थान केवल परीक्षा परीणाम नहीं, विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान दें। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज की ताकत और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।



नई शिक्षा नीति पर सरकार एक बार फिर से करे विचार

पंचायत राज का विधेयक 1993 में कांग्रेस शासन काल में 73 वें संशोधन के पश्चात संसद में पारित हुआ। सपना स्वर्गीय राजीव का था महिलाओं की 33 % आरक्षण देना। यह एक साहसपूर्ण कदम था। और महिलाओं की इन संस्थाओं में भागीदारी की शुरुआत हुई। इस व्यवस्था का कई राज्यों में गुप्त विरोध हुआ और चुनी हुई महिला सरपंचों के स्थान पर उनके पति बैठकों में जाने लगे और उन्हें अनुमति भी कई वर्षों तक अधिकारी देते रहे जो पूर्णतः प्रजातंत्र का अपमान था और दंडनीय अपराध भी था! इस व्यवस्था को बदनाम करने के लिए ऐसे तत्वों ने जो महिला विरोधी थे, अधिकारियों के साथ मिलकर खूब भ्रष्टाचार किया जिसे अन्य पार्टियों ने भी अनदेखा किया। नगर पालिकाओं में भी यही हाल है! कई शहरों में दूषित पानी पिलाया जा रहा है और कई लोग तो दूषित पानी पीने से मर भी गए हैं! शहरों में सबसे बड़ा घोटाला पेयजल और सीवर की पाइपलाइन बिछाने में होता है जिसकी जांच की रिपोर्ट आज तक विधान सभा में नहीं रखी गई क्योंकि विधान सभा की चलने नहीं दिया जाता है और मैं अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि सभी राजनीतिक दल इस भ्रष्टाचार को दबाने में मिल जाते हैं, जो इन मामलों को उठाते हैं , उन्हें या तो टिकट अगले चुनाव में नहीं दिया जाता या उन्हें सभी दल मिलकर हरवा देते हैं!देश की विधान सभाओं का विश्लेषण किया जाए तो अधिकतर विधान सभा के सत्र शोर शराबे के कारण स्थगित किए जाते हैं, आंकड़े इसका प्रमाण हैं! शोर शराबे की आवश्यकता ही नहीं है क्योंकि सभको बोलने का समय दिया जाता है परंतु अधिकतर विधायक बोलने के स्थान पर शोर मचाना ज्यादा पसंद करते हैं।

संसद का विश्लेषण हम करें तो स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां देश के प्रधानमंत्री को हजारों बार गाली दी गई है विपक्षी दलों द्वारा जिसका उल्लेख स्वयं प्रधानमंत्री कर चुके हैं, यह अति निंदनीय है! विपक्ष में इंदिराजी, राजीवजी, अटलजी जैसे नेता हुए हैं इन्हें उनसे सीखना चाहिए जिन्होंने कभी भी संसदीय मर्यादा या भाषा का उल्लंघन नहीं किया, कम से कम वर्तमान नेता प्रतिपक्ष उनसे ही कुछ सीखें जिनकी पहचान ही इंदिराजी और राजीवजी से है! अभी कुछ दिन पहले हमने संसद, जंतर मंतर पर छात्रों द्वारा प्रदर्शन देखा जिसे बाद में असामाजिक तत्वों द्वारा हथिया लिया गया और दुर्भाग्यवश विपक्ष भी उस हिंसा का भागीदार बन गया और एक निम्न स्तर की राजनीति होने लगी।

जब हिंसा कोई करेगा तो पुलिस बल प्रयोग करती है और कई निर्दोष छात्रों को और सुरक्षा कर्मियों को चोटें भी आईं जो बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण हुआ। पेपर लीक कई बार हुआ है, कांग्रेस के समय भी हुआ है और आगे भी होने की पूर्ण संभावना है, क्योंकि शिक्षा प्रणाली में बहुत अंतर है और समान और अत्यंत महंगी शिक्षा होने के कारण छात्रों को न्याय नहीं मिलता है क्योंकि नीट परीक्षा में जो अधिक नंबर लाते हैं वो अधिकतर अमीर घर के बच्चे होते हैं, बहुत कम ऐसे बच्चे होते हैं जो इस कठिन और अनावश्यक परीक्षा में अधिक नंबर ला पाते हैं।

अनावश्यक इसलिए कह रहा हूं कि जब यह नीट परीक्षा नहीं होती थी तब भी डॉक्टर, इंजीनियर या अन्य क्षेत्र में अपना नाम कमाते थे। यह केवल मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रणाली या देश की अर्थ व्यवस्था में भागीदारी से वंचित करने का षडयंत्र है जिसे प्रधानमंत्री नहीं समझ पा रहे हैं और विपक्षी दलों को एक घटिया राजनीति करने का अवसर दे रहे हैं। भविष्य में ऐसी स्थिति नहीं बने इसके लिए केंद्र शासन को एक नई शिक्षा नीति शीघ्र बनाने की आवश्यकता है जिसमें शिक्षा में सभी वर्ग के छात्रों की भागीदारी रहे और सबका राष्ट्र निर्माण में सहयोग रहे।

छात्रों से भी यही कहूंगा कि कानून का सम्मान करना सीखो। शहीदों का सम्मान करना सीखो और जो देश को बांटने का नारा लगाते हैं उन तत्वों से दूर रहो, तभी हम एक महान भारत का निर्माण कर पाएंगे और सभी को शिक्षा और रोजगार दे पाएंगे, सुरक्षा बलों पर हमला कर और उन्हें घायल कर के नहीं। जनप्रतिनिधि भी अपने आचरण और व्यवहार बदलें, बच्चे आपको देख कर भी बहुत कुछ सीखते हैं। बच्चों देश को तुमसे उम्मीद है क्योंकि तुम देश का भविष्य हो, तुम अपने आपको को बदल सकते हो नेताओं से जनता को बहुत कम उमीद है कि वो बदलेंगे, नेता जो जैसे हैं वैसे ही रहेंगे।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)



राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी। भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन मुक्केबाजी प्रदर्शन है जिसने देश का सिर फन्न से ऊंचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता को केवल पदकों की संख्या से नहीं आंका जा सकता है। इसके पीछे भारत के छोटे शहरों, गांवों और कस्बों से निकलकर आई उन प्रतिभाओं की कहानी है जिन्होंने तमाम अपावों के बावजूद अपने सपनों की मरने नहीं दिया। जब हम मुक्केबाजी की बात करते हैं तो हरियाणा के भिवानी और रोहतक जैसे शहरों का जिक्र आना स्वाभाविक है, लेकिन इस बार पदक विजेताओं की सूची इस बात की गवाही देती है कि अब खेल का यह जुनून पूरे देश में फैल चुका है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की दूरदर्शी नीतियां, सरकार का निरंतर समर्थन और प्रशिक्षकों की दिन-रात की मेहनत ने मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया है जहां अब केवल हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीतने के लिए खिलाड़ी रिंग में उतरते हैं। इस बार का प्रदर्शन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय मुक्केबाज अब तकनीकी और शारीरिक दोनों ही मोर्चों पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को धूल चटाने का मादा रखते हैं। इस अभूतपूर्व सफलता में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा है। महिला वर्ग में भारत ने पांच अलग-अलग भार वर्गों में सीधे स्वर्ण पदक अपने नाम किए जो महिला सशक्तिकरण की एक जीती जागती मिसाल है। 51 किलोग्राम भार वर्ग में साक्षी चौधरी, 54 किलोग्राम में प्रीति पवार, 57 किलोग्राम में जैस्मिन लंबोरेरिया, 60 किलोग्राम में प्रिया घणघुस और 70 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति चौधरी ने जिस आक्रामकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया

भारतीय बॉक्सिंग में सुनहरा अध्याय

खेलों की दुनिया में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी।

भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन मुक्केबाजी प्रदर्शन है जिसने देश का सिर फन्न से ऊंचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता को केवल पदकों की संख्या से नहीं आंका जा सकता है। इसके पीछे भारत के छोटे शहरों, गांवों और कस्बों से निकलकर आई उन प्रतिभाओं की कहानी है जिन्होंने तमाम अपावों के बावजूद अपने सपनों की मरने नहीं दिया। जब हम मुक्केबाजी की बात करते हैं तो हरियाणा के भिवानी और रोहतक जैसे शहरों का जिक्र आना स्वाभाविक है, लेकिन इस बार पदक विजेताओं की सूची इस बात की गवाही देती है कि अब खेल का यह जुनून पूरे देश में फैल चुका है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की दूरदर्शी नीतियां, सरकार का निरंतर समर्थन और प्रशिक्षकों की दिन-रात की मेहनत ने मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया है जहां अब केवल हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीतने के लिए खिलाड़ी रिंग में उतरते हैं। इस बार का प्रदर्शन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय मुक्केबाज अब तकनीकी और शारीरिक दोनों ही मोर्चों पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को धूल चटाने का मादा रखते हैं। इस अभूतपूर्व सफलता में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा है। महिला वर्ग में भारत ने पांच अलग-अलग भार वर्गों में सीधे स्वर्ण पदक अपने नाम किए जो महिला सशक्तिकरण की एक जीती जागती मिसाल है। 51 किलोग्राम भार वर्ग में साक्षी चौधरी, 54 किलोग्राम में प्रीति पवार, 57 किलोग्राम में जैस्मिन लंबोरेरिया, 60 किलोग्राम में प्रिया घणघुस और 70 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति चौधरी ने जिस आक्रामकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया

और कई बार फाइनल मुकाबले बहुत ही करीबी अंतर से छूट जाते हैं, लेकिन लवलीना का पोडियम तक पहुंचना यह बताता है कि उनके अंदर अभी भी खेल के प्रति वही पुरानी आग बाकी है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उन्होंने पूरे दल का मार्गदर्शन किया और उनका यह अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित होने वाला है। इस जीत के पीछे के विज्ञान और तकनीकी पहलुओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज के दौर में मुक्केबाजी केवल ताकत का खेल नहीं रह गया है। यह दिमाग, तकनीक, स्पोर्ट्स साइंस और वीडियो एनालिटिक्स का एक जटिल मिश्रण बन चुका है। भारतीय मुक्केबाजों

विविध प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुई त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के माध्यम से युवाओं ने जाना सरकार के 12 वर्षों का स्वर्णिम सफर

जबलपुर। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, भोपाल द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से महाकौशल महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित त्रिदिवसीय फोटो प्रदर्शनी सह विविध जागरूकता कार्यक्रम का समापन संवाद, रैली, विविध प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

प्रदर्शनी में “सेवा, सुशासन के 12 वर्ष”, “VB G RAM G” एवं कारगिल विजय गाथा पर आधारित आकर्षक चित्रों के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकसित भारत के संकल्प तथा भारतीय सेना के शौर्य एवं बलिदान को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रथम चरण में “VB G RAM G” जिला पंचायत जबलपुर की परियोजना अधिकारी रचना बोरिया ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य,



स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा जनभागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया। दी गई जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी आयोजित कर सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को तुरंत पुरस्कृत किया गया, इसके बाद रंगोली स्पर्धा का आयोजन हुआ, आयोजित भाषण स्पर्धा में कॉलेज के विद्यार्थियों ने कारगिल विजय गाथा पर अपने अपने विचार रखे, तत्पश्चात गीत व नाटक दल के कलाकारों ने

गीत संगीत के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी। तदोपरांत छात्र-छात्राओं को लेकर नारों का संदेश देते हुई जागरूकता रैली निकाली गई।

समापन अवसर पर अतिरिक्त संचालक संभागीय कार्यालय उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर व प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, अतुल पांडे, प्रो. अरुण शुक्ल, प्रो. एसी तिवारी, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ज्योति जुनगरे की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व में व आज आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के

विजेताओं को अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक डॉ. चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा सरकारी योजनाओं के प्रति जानकारी बढ़ाना है, उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारी मिलती है और आज आवश्यकता भी है कि हम समग्र रूप से युवाओं का विकास करें। अतुल पांडे ने इस अवसर पर कहा कि प्रदर्शनी केवल चित्रों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि जनसामान्य तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। तीन दिनों तक चली इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. बुशरा खान, डॉ. उमा भारती, डॉ. साक्षी मरावी, डॉ. रुपाली उपाध्याय, डॉ. मोनाक्षी मरावी, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, मीडिया, सहयोगी संस्थाओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त कर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।



मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के विखंडन के विरोध में एनएसयूआई ने कुलपति के नाम उपकुलसचिव को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने छात्र नेता अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम एक ज्ञापन उपकुलसचिव अजय मिश्रा को सौंपकर विश्वविद्यालय की एकता एवं मूल स्वरूप को बनाए रखने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से एनएसयूआई ने मांग की कि विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की शीघ्र बैठक आहूत की जाए तथा उसमें सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया जाए कि कुलपति एवं संपूर्ण कार्यपरिषद मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय के किसी भी प्रकार के विखंडन का स्पष्ट रूप से विरोध करती है। साथ ही यह प्रस्ताव मध्यप्रदेश शासन को भेजकर विश्वविद्यालय की एकता एवं स्वायत्तता को यथावत बनाए रखने का आग्रह किया जाए। इस अवसर पर छात्र नेता अनुराग शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय जबलपुर

कार्य परिषद की बैठक बुलाकर विखंडन विरोधी प्रस्ताव पारित करने की मांग

की ऐतिहासिक पहचान होने के साथ-साथ प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका विखंडन न केवल विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हितों के विपरीत होगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई विश्वविद्यालय के विखंडन का लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीकों से लगातार विरोध करती रहेगी तथा विश्वविद्यालय की एकता बनाए रखने के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रहेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय की एकता के समर्थन में नारे लगाए और विश्वविद्यालय के हितों की रक्षा हेतु एकजुट रहने का संकल्प लिया। ज्ञापन के दौरान रिजवान अली कोटी, कपिल भोजक, सागर शुक्ला, अमित सोनकर, देवकी पटेल, शफी खान, अंकित शुक्ला, गुणवत्ता एवं प्रशासनिक गौतम, अंकित कोरी, वकार खान, युग ठाकुर, अदील सैय्यद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।



जीआरपी जबलपुर ने ऑपरेशन हमदर्द के तहत भटके बालक को सकुशल परिजनों से मिलाया

जबलपुर। ऑपरेशन हमदर्द के तहत थाना जीआरपी जबलपुर को एक और सफलता प्राप्त हुई। थाना जीआरपी जबलपुर स्टाफ को एक बालक अभिराज सिंह जादौन (उम्र 12 वर्ष), निवासी गणेश कॉलोनी, थाना सुजालपुर, जिला शाजापुर रेलवे स्टेशन जबलपुर में अकेले मिला, जिसको सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाना जीआरपी जबलपुर लाया गया। बालक घर से बिना बताए भटककर जबलपुर पहुंच गया था। थाने में बालक से सहानुभूतिपूर्वक पूछताछ कर उसके परिजनों की जानकारी प्राप्त की गई तथा मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क कर उन्हें थाना बुलाया गया। बाद में बालक के पिता शैलेन्द्र सिंह जादौन एवं मामा गजेन्द्र सिंह थाना जीआरपी जबलपुर उपस्थित हुए। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने पुत्र को सकुशल पाकर परिजनों ने जीआरपी जबलपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस कार्यवाही में हेड कॉन्स्टेबल वीरन महोबिया, हेड कॉन्स्टेबल धीरेन्द्र सिंह बैस, हेड कॉन्स्टेबल परशुराम एवं आरक्षक सुनील का विशेष योगदान रहा।

कर्मचारी एरियर्स राशि से वंचित

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तीन प्रतिशत मंहगाई भत्ता फरवरी माह में बढ़ाया गया था, जिसके एरियर्स की राशि का भुगतान 6 समान किस्तों में प्रदान किया जाना था, परंतु लोक सेवकों को आज दिनांक तक एक भी किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन ने बताया की संकुल प्राचार्यों के द्वारा एरियर्स की राशि के बिल बनाकर बी.ई.ओ. कार्यालय में जमा नहीं किए गए जिससे आज दिनांक तक लोक सेवक एरियर्स की राशि प्राप्त करने से वंचित है जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। अतः संगठन कलेक्टर से मांग करता है कि बड़े हुए डी.ए. के एरियर्स की राशि प्रदान करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आदेशित किया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, गुडविन चालर्स, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है।

राष्ट्रमंडल खेल 2026

जबलपुर। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित हो रहे 23वें राष्ट्रमंडल खेल 2026 में जूडो के पहले ही दिन भारतीय जूडो खिलाड़ियों द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रदर्शन से पूरे देश सहित संस्कारधानी जबलपुर के खेल जगत में अपार उत्साह और हर्ष का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय जूडो खिलाड़ियों के इस स्वर्णिम आगाज ने देश का मान बढ़ाया है।

जबलपुर जिला जूडो संघ के सचिव एवं वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में चल रहे 23वें राष्ट्रमंडल खेल 2026 के पहले दिन भारतीय जूडो दल ने धमाकेदार शुरुआत करते हुए नया इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता के पहले ही दिन भारत की होनहार महिला खिलाड़ी अस्मिता डे ने -48 किलोग्राम भार वर्ग के रोमांचक फाइनल मुकाबले में कनाडा की खिलाड़ी को शिकस्त देकर राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत को जूडो का पहला ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया। इसके पश्चात, पुरुष वर्ग के -60 किलोग्राम भार वर्ग श्रेणी के फाइनल में हर्ष सिंह ने अपना दबदबा कायम

भारतीय जूडो खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन से जबलपुर में जश्न, जिला जूडो संघ ने दी बधाई



रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर देश के लिए दिन का दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की होनहार जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने -57 किलोग्राम भार वर्ग में अपने

शानदार कौशल, फुर्ती और बेहतरीन तकनीक का परिचय देते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही दिन में दो स्वर्ण और एक रजत

पदक जीतकर भारतीय जूडो खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय जूडो अब विश्व स्तर पर किसी से पीछे नहीं है। यह सफलता देश के उभरते हुए जूडो खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस ऐतिहासिक सफलता पर त्रिभुवनदास मालपानी जूडो सेंटर, मिलोनीगंज के जूडो खिलाड़ियों ने अपनी अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक-दूसरे का मिश्रान से मुंह मीठा कराकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय जूडो टीम की इस शानदार उपलब्धि पर जबलपुर जिला जूडो संघ के अध्यक्ष रवि गुप्ता, राजकुमार मिश्रा, डॉ. एस. एन. श्रीवास्तव, शायदा अली, सत्येंद्र गुरु, गौरी शंकर सार, प्रभव महेश्वरी, विभव महेश्वरी, रत्नेश सोनकर, एडवोकेट अभ्युदय सिंह, एडवोकेट अतारहमान, डॉ. मोहसिन अंसारी, डॉ. दीपेंद्र यादव, डॉ. विजेंद्र यादव, रोशनी राठौर, नाजनीन अंजुम मंसूरी, तावेज अली, साबिर अंसारी, रितेश डोशिया, दिव्या सोनी आदि ने पदक विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



शहीद उधम सिंह को दी श्रद्धांजलि, युवाओं से देशभक्ति का आह्वान

जबलपुर। अमर शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को शहीद भगत सिंह युवा विचार मंच द्वारा कटंगा स्थित भगत सिंह चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहीद उधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया, सचिव डिम्पी बिंद्रा ने बताया कि शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी माइकल ओडायर को इंग्लैंड में दंडित कर अद्वितीय देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था, उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए समर्पित कर मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टट्टू, सचिव डिम्पी बिंद्रा, काके आनंद, रजिन्दर सिंह छाबड़ा, रविन्दर सिंह चाना, पम्मी चड्ढा, गुरुप्रीत सिंह, रंजीत ठाकुर, संजू पाठक, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत, रामा भाई, राजू हैरी सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

घरों-घर देवालयों में गूंजेगा हरिनाम संकीर्तन

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल का 10वां वार्षिक श्रावण महोत्सव

जबलपुर। पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल, जाबालिपुरम के तत्वावधान में प्रति वर्षांगुण 10वें वर्ष पूरे श्रावण मास प्रतिदिन श्री हरिनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया है। नगर के घरों-घर देवालयों में भक्तिभाव, हर्षोल्लास के साथ हरिनाम संकीर्तन किया जा रहा है। संकीर्तन श्रृंखला के तृतीय दिवस बड़ी खेरमाई राधा कृष्ण मंदिर में नम्रता-जितेंद्र शर्मा के सौजन्य से संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, पं. सुदामा प्रसाद उपाध्याय के सानिध्य में पूजन अर्चन कर हरिनाम संकीर्तन संपन्न हुआ। एक से बढ़कर एक संकीर्तन में समस्त श्रद्धालुगण हरिनाम की मधुर ध्वनि पर भक्ति रस में झूम उठे। आज चतुर्थ दिवस श्री शंकर नामदेव के सौजन्य से जगदीश मंदिर पड़ाव महाकाली चौक स्थित आवास



पर प्रातः 8:30 बजे से श्री हरिनाम संकीर्तन आयोजित है। मंडल ने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार सहित उपस्थित की अपील की है। इस अवसर पर संयोजक देवेन्द्र नेमा, सरिता शर्मा, कृष्णा नामदेव, सुनीता

राय, मनोषा दुबे, पूनम सोनी, अंजू सिंह, स्नेहा उपाध्याय, प्रभाकर चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश नामदेव, जीते शर्मा, केएल दीक्षित, मोहित तिवारी आदि अनेक मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।



सनातन चौक का होगा सौंदर्यीकरण

विधायक डॉ. अमिलाष पाण्डेय ने दिए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश जबलपुर। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अमिलाष पाण्डेय से सौजन्य भेंट कर सनातन चौक के सौंदर्यीकरण तथा उसे शहर के सबसे सुंदर और आकर्षक चौक के रूप में विकसित किए जाने की मांग रखी। विधायक डॉ. पाण्डेय ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश देने का आश्वासन दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सनातन चौक पर आम नागरिकों, विशेषकर विद्यालय एवं महाविद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक बस स्टॉप का निर्माण कराया जाए, जिससे यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से वाहनों की प्रतीक्षा करने की सुविधा मिल सके। सनातन संरक्षण संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास से सनातन चौक शहर की पहचान के रूप में स्थापित होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर सनातन संरक्षण संघ के संस्थापक महेश मिश्रा, संयोजक अजय पटेल (टिप्टू), कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश चौबे तथा महामंत्री डॉ. नीलेश पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुनिया में कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जो पहली बार सुनने पर किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। लेकिन, जब पता चलता है कि यह सब हकीकत है, तो हैरानी और भी बढ़ जाती है।

‘सोलर किड्स’: दिन में खेलते-कूदते, रात होते ही पड़ जाते हैं बेजान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दो भाइयों की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। इन्हें ‘सोलर किड्स’ के नाम से जाना जाता है। वजह है इनकी रहस्यमयी शारीरिक स्थिति। दिनभर ये दोनों बच्चे पूरी तरह नॉर्मल रहते हैं। दौड़ते हैं, खेलते हैं, बातें करते हैं और बाकी बच्चों की तरह अपनी दिनचर्या बिताते हैं। लेकिन, जैसे ही सूरज ढलता है, उनकी पूरी दुनिया बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाम होते ही दोनों भाइयों का शरीर अचानक काम करना लगभग बंद कर देता है।

खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं

वे न तो अपने हाथ-पैर हिला पाते हैं, न बोल पाते हैं और न ही अपनी आंखें खोल या बंद कर पाते हैं। यहां तक कि खाना खाना भी उनके लिए संभव नहीं रह जाता। उनकी यह हालत वर्षों से डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बनी हुई है।



मेडिकल साइंस के लिए चुनौती जैसा

कुछ समय पहले पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मेडिसिन के प्रोफेसर जावेद अकरम ने ‘द एसोसिएटेड प्रेस’ से बातचीत में कहा था कि यह मामला मेडिकल साइंस के लिए एक चुनौती जैसा है। उन्होंने बताया था कि डॉक्टरों की टीम ने दोनों भाइयों के कई मेडिकल टेस्ट किए ताकि यह समझा जा सके कि दिन में पूरी तरह एक्टिव रहने वाले ये बच्चे रात होते ही अपनी आंखें क्यों नहीं खोल पाते, क्यों बोल नहीं पाते और खाना खाने तक में असमर्थ हो जाते हैं। प्रोफेसर अकरम ने यह भी बताया था कि पाकिस्तान सरकार दोनों भाइयों का मुफ्त इलाज करवा रही है।

क्या है इसके पीछे का राज?

विशेषज्ञों का मानना है कि यह किसी दुर्लभ जेनेटिक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का असर हो सकता है। इस तरह की बीमारी शरीर के नर्वस सिस्टम को प्रभावित करती है, जो शरीर को एनर्जी देने और उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने का काम करता है। हालांकि, अब तक हुई जांचों के बावजूद डॉक्टर इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाए हैं कि आखिर सूरज ढलने के बाद ही इन दोनों बच्चों की हालत क्यों बिगड़ जाती है।

रोचक खबरें

सांपों को मारने के लिए 129 साल पहले छोड़ी गई थी लाफिंग कूकाबुरा बर्ड, बन गई भस्मासुर

मेलबर्न। लाफिंग कूकाबुरा ऑस्ट्रेलिया के सबसे पहचाने जाने वाले पक्षियों में से एक है, जो अपनी तेज इसानों जैसी हंसी की आवाज और सांपों का शिकार करने के लिए मशहूर है। दरअसल, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में इस पक्षी का होना एक सोचे-समझे प्रयोग का नतीजा है, जो 19वीं सदी के आखिर में किया गया। 1897 में कुछ समूहों ने पूर्वी ऑस्ट्रेलिया से लाए गए कूकाबुरा पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए छोड़ा था। कुछ सालों में ये पक्षी उन हिस्सों में पहुंच गए, जहां वे पहले नहीं पाए जाते थे। इसका पूरे इलाके पर असर हुआ और इनकी शिकारी प्रवृत्ति की वजह से बहुत से स्थानीय पंछी और छोटे जानवर खत्म हो गए।

एक नई रिसर्च के मुताबिक, सुनियोजित तरीके से छोड़े जाने से पहले वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में कूकाबुरा दो दफा- 1883 में अल्बानी में और जून 1896 में पर्थ और फ्रीमेंटल के बीच देखे गए थे। पहली बार आधिकारिक तौर पर इन्हें 1897 में लाया गया, जिसके बाद 1912 तक सैकड़ों पक्षियों को दक्षिणी हिस्से में अलग-अलग जगहों पर छोड़ा गया। इसका असर पूरे इलाके पर हुआ। इन पक्षियों को सांपों को कंट्रोल करने के लिए लाया गया, लेकिन ये स्थानीय प्रजातियों के शिकारी बन गए। यह नतीजा पक्षी की बायोलॉजी को देखते हुए कोई हैरानी की बात नहीं थी। कूकाबुरा कई तरह के जीवों का शिकार करने वाले शिकारी होते हैं। उनकी डाइट सांपों तक सीमित नहीं है।



वे कीड़े, रेंगने वाले जीव, मेंढक और छोटे पक्षियों का शिकार कर सकते हैं। कंजर्वेशन साइंस वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की रिसर्च के अनुसार, एक बार लाए जाने के बाद लाफिंग कूकाबुरा तेजी दक्षिण-पश्चिम के हिस्सों में फैले।

रिसर्च में इस इलाके में प्रजाति के बसने और फैलने का जिक्र है। इसके आने को उन जानवरों के इतिहास के बड़े संदर्भ में देखा गया है, जिन्हें जानबूझकर ऐसे माहौल में लाया गया, जहां वे मूल रूप से नहीं पाए जाते थे।

बदल गया इकोलॉजिकल सिस्टम

ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार, जिन जगहों पर इन पक्षियों को छोड़ा गया, वहां उन्होंने प्रजनन शुरू किया। वहीं, कुछ अन्य रिपोर्टों में दक्षिण-पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर हिस्सों में इस प्रजाति की मौजूदगी का जिक्र है। हो सकता है कि इस प्रजाति को किसी खास कीट को नियंत्रित करने की क्षमता के कारण चुना गया हो, लेकिन शिकारी जीव अपनी गतिविधियों की सिर्फ शिकार तक सीमित नहीं रखते। शिकारी जीव खुद को स्थापित कर लेते हैं तो बड़ी इकोलॉजिकल भूमिका निभाते हैं। एक इलाके से दूसरे इलाके में जानवरों को ले जाना कभी पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने का आम तरीका था। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इस कोशिश के तहत एक शिकारी जीव को ऐसे इकोसिस्टम में लाया गया, जहां वह पहले नहीं पाया जाता था। इससे भविष्य की पीढ़ियों को इसके इकोलॉजिकल नतीजों का सामना करना पड़ा।

7 हजार डिग्री सेल्सियस आग में जन्मी अनोखी धातु, वैज्ञानिकों को तबाही का मिला नया सुराग



टोक्यो। 6 अगस्त 1945... इतिहास का वह काला दिन जब एक पल में जापान का हिरोशिमा राख का ढेर बन गया था। 70,000 से ज्यादा लोगों की सांसें छीनने वाले उस परमाणु धमाके का दर्द दुनिया आज तक भूलती नहीं है। लेकिन, अब, लगभग 81 साल बाद, उसी तबाही की राख से एक ऐसा रहस्यमयी राज बाहर आया है जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। हिरोशिमा के समुद्र तट की रेत में छुपा एक ऐसा मटेरियल मिला है, जो सामान्य इसानी दुनिया या किसी हार्ड-टेक लैब में बनना नामुमकिन है। हिरोशिमा बे की रेत का विश्लेषण करते समय रिसर्चर्स को बहुत ही सूक्ष्म कणों के अंदर एक नया और अनोखा मटेरियल मिला है। इस मटेरियल को हिरोशिमाइट्स नाम दिया गया है। अब लोगों के मन में यह सवाल आ रहा है कि यह मटेरियल आखिर आया कहाँ से? इसका जवाब वैज्ञानिकों के मुताबिक, परमाणु बम फटने के कुछ ही सेकंड के भीतर वहां का तापमान 7,000 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस भयंकर गर्मी में आसपास के भवन निर्माण मटीरियल, धातुएं, मिट्टी, कांच और पानी पल भर में भाप बनकर एक विशाल फायरबॉल यानी आग के गोला में बदल गए। और जब यह आग का गोला ठंडा हुआ, तो इससे कांच और धातुओं की बहुत छोटी-छोटी बूंदें बनीं जो पूरे इलाके में फैल गईं। रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इन कणों के अंदर सिलिकॉन-रिच मटेरिऑपोनेंट अलॉय यानी एक खास तरह का मिश्रधातु पाया है। इस मटीरियल के एक छोटे से दाने में 63% लोहा, 15% क्रोमियम, 9% निकल और 7% सिलिकॉन मिला है। सामान्य परिस्थितियों में या किसी साधारण लैब में ऐसा अलॉय बनना नामुमकिन है। साइंस एडवांसज में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, हिरोशिमा में बनी ये परिस्थितियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी अंतरिक्ष में उल्कापिंडों के आपस में टकराने या ग्रहों के टकराव के दौरान पैदा होती हैं।

नए मटीरियल्स का हो सकता है जन्म

वैज्ञानिकों की यह खोज साबित करती है कि बहुत ही असाधारण और बहुत ज्यादा तापमान पर पदार्थ किस तरह से रिएक्ट करते हैं और कैसे प्रकृति में पूरी तरह से नए मटीरियल्स का जन्म हो सकता है। इससे भविष्य में उल्कापिंडों की टक्कर, बिजली गिरने जैसी अत्यधिक ऊर्जा वाली प्राकृतिक घटनाओं और नए एडवांस्ड मटेरियल्स पर रिसर्च को भी नई दिशा मिल सकती है। हिरोशिमा की तबाही का यह अवशेष आज विज्ञान के लिए एक अनोखी पहेली सुलझाने का जरिया बन गया है।

रहस्यमयी

कई-कई महीने लगातार नाचते रहे लोग, थक कर हो जाती थी मौत!

पेरिस। मानव इतिहास में कई अजीबोगरीब महामारियां आई हैं। कुछ ने लाखों लोगों को बीमार किया, कुछ ने मौत दी, लेकिन 1518 की ‘डॉसिंग प्लेग’ शायद सबसे विचित्र और रहस्यमयी घटना है। जुलाई 1518 में फ्रांस के स्ट्रुसबर्ग शहर में एक महिला अचानक सड़क पर नाचने लगी थी। वह कई दिनों तक बिना रुके नाचती रही। कुछ दिनों में सैकड़ों लोग उसके साथ जुड़ गए। बताया जाता है कि एक महिला के नाचने से शुरू हुआ ये सफर करीब चार सौ लोगों तक जा पहुंचा था। ये क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, ये आज भी एक रहस्य है। सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियां शेयर की गई हैं, जिसने इतने सालों बाद फिर से इसे वायरल कर दिया है।



कैसे शुरू हुई महामारी?

सबसे पहले फ्रांज़ ट्रॉफिया नाम की एक महिला बिना किसी संज्ञात के नाचने लगी थी। वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही, फिर और लोग उसके साथ शामिल होते गए। एक महीने के अंदर करीब 400 से ज्यादा लोग अनियंत्रित रूप से नाच रहे थे। लोग थकान से दूर हो जाते, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ के दिल का दौरा पड़ गया और वे मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थीं।

समाज और सरकार की प्रतिक्रिया

डॉक्टरों ने इसे ‘हंट ब्लड’ की बीमारी बताया था। वहीं, धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव माना था। उन्होंने इसे श्राप का असर बता दिया था। शहर के अधिकारियों ने संगीतकारों को बुलाकर और ज्यादा नाचने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि लोग थककर गिर जाएं। लेकिन, उन्हें रोकने का ये आइडिया फेल हो गया था। कई लोग नाचने की वजह से मौत के मुंह में समा गए। इसके बाद अपने आप ही ये महामारी खत्म हो गई।

संभावित कारण

आज के वैज्ञानिक इसे सामूहिक मानसिक बीमारी मानते हैं। दरअसल, उस समय मुखमरी, तनाव, सिफलिस जैसी बीमारियां और एगॉट फेगस (राई में लगने वाला फेगस जो एलएचडी जैसा प्रभाव देता है) फैली थीं। इन सबको भी कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया और स्ट्रुसबर्ग फिर से सामान्य हो गया। यह घटना दिखाती है कि सामूहिक तनाव और सामाजिक दबाव कितना खतरनाक हो सकता है। आधुनिक दुनिया में भी ‘मास हिस्टीरिया के मामले देखे जाते हैं। 1518 की डॉसिंग प्लेग मानव इतिहास की सबसे अजीब महामारियों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि विज्ञान और समझ के बिना अंधविश्वास और तनाव कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अकेला चीन अब बना रहा दुनिया की सबसे ज्यादा पावर

बीजिंग। साल 1985 का वो दौर याद कीजिए जब अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था और बिजली बनाने के मामले में चीन से पूरे छह गुना आगे था। लेकिन, पिछले चार दशकों में ड्रैगन ने जो चाल चली है, उसने पूरी दुनिया के शक्ति संतुलन को हिलाकर रख दिया है। साल 2025 के ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि चीन अब इतना बड़ा पावर हाउस बन चुका है कि वह अकेले अमेरिका, यूरोपियन यूनियन और भारत को मिलाकर भी उसने 13 प्रतिशत ज्यादा बिजली पैदा कर रहा है। साल 1985 में अमेरिका लगभग 2,657 टेरावॉट-घंटा बिजली बनाता था जबकि चीन सिर्फ 410 टीडब्ल्यूएच पर अटका था। लेकिन 2025 आते-आते यह तस्वीर पूरी तरह से उलट गई। अगर वर्ल्ड इन डेटा के मुताबिक 2025 में चीन का बिजली उत्पादन 10,583 टीडब्ल्यूएच तक पहुंच गया। दूसरी तरफ अमेरिका, यूरोपियन यूनियन और भारत तीनों मिलकर भी सिर्फ 9,398 टीडब्ल्यूएच बिजली ही बना पाए। इसका सीधा मतलब यह है कि चीन इन तीनों महाशक्तियों के कुल जोड़ से भी 1,184 टीडब्ल्यूएच ज्यादा बिजली पैदा कर रहा है।

1985 में अमेरिका से था कौसें दूर

ग्रीन एनर्जी व न्यूक्लियर में भी भारी निवेश

कोयले के साथ-साथ चीन ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा में भी अरबों डॉलर का निवेश किया है। चीन के पास 55 से ज्यादा चालू न्यूक्लियर रिएक्टर हैं और दर्जनों पर काम चल रहा है। इसके अलावा चीन के पास 425 जीडब्ल्यू से ज्यादा सोलर और 376 जीडब्ल्यू से ज्यादा विंड पावर की स्थापित क्षमता मौजूद है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है।



कोयला आज भी है चीन की असली ताकत

भले ही चीन आज सोलर और विंड पावर में दुनिया का लीडर बन चुका है, लेकिन उसकी रीढ़ की हड्डी आज भी कोयला ही है। अंकड़ों के अनुसार चीन अपनी कुल बिजली का लगभग 62 प्रतिशत हिस्सा आज भी कोयले से ही पैदा करता है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी चीन का नाम सबसे ऊपर आता है।

समुद्र में ढेल के जन्म का अद्भुत नजारा

केनबरा। दुनियाभर में कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिन्हें देखना न सिर्फ अचंभा पैदा करता है, बल्कि कभी-कभी आंखों पर भी भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी ही एक घटना समुद्र के बीच शांत पानी में हुई। ड्रोन से वीडियो रिकॉर्ड करते समय एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। दावा किया जा रहा है कि दुनिया में कहीं भी वीडियो में रिकॉर्ड किए गए हंपबैक व्हेल के जन्म की चौथी पूरी घटना को कैमरे में कैद किया है। दावा ये भी किया जा रहा है कि यह ड्रोन से रिकॉर्ड की गई ऐसी पहली घटना है।

ऑस्ट्रेलिया में ‘ऑर्गनाइजेशन फॉर द रेस्क्यू एंड रिसर्च ऑफ सिटासियन्स’ के लिए एनएसडब्ल्यू के उत्तरी तट पर माग्रेट करने वाली हंपबैक व्हेल की हवाई निगरानी



करते समय अलेक्जेंडर फॉरेस्ट ने शांत समुद्र में एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। उन्होंने व्हेल के बच्चे के जीवन के

शुरुआती पलों को कैमरे में कैद किया, जिसमें उसकी पहली सांस और अपनी मां के साथ उसका मिलन शामिल है।

हंपबैक व्हेल का वैज्ञानिक नाम ‘मेगाटेरा’

हंपबैक व्हेल को यह नाम इसके आकार और समुद्र में गोता लगाते समय इसकी पीठ की विशिष्ट बनावट के कारण दिया गया है। इसका वैज्ञानिक नाम मेगाटेरा है। इसका अर्थ ‘बड़े पंखों वाला’ होता है। इनकी लंबाई कुल शरीर की लंबाई के एक तिहाई के बराबर होती है।

स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते आई थी नजर

इससे पहले मार्च 2026 में वैज्ञानिकों ने एक फुटेज जारी किया था। इस वीडियो फुटेज में एक स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते हुए नजर आई थी, जबकि दूसरी मादा व्हेल मिलकर मां और उसके नवजात बच्चे को सहारा दे रही थी।

38 साल के इंडियन योगा टीचर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इं ने 38 साल के योग टीचर को म ल कालेई ने



रोकने की ट्रेनिंग ली। कमल बताते हैं कि पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने यह कारनामा किया। वे एक स्विमिंग पूल के एकदम नीचे गए, अपनी वियानाम के नाम दीह शहर के निह-बिन्ह में रहते हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड के लिए पूरे दो साल तक शरीर को ताकत बढ़ाने और सांस

वे पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोक सकते हैं। वे सिर्फ सांस ही नहीं रोकते, बल्कि पानी के अंदर करसत भी कर लेते हैं। कमल अपने 86 पुश-अप्स से बहुत खुश हैं। उन्हें पक्का भरोसा है कि दोबारा कोशिश करने पर वे इससे भी ज्यादा पुश-अप्स लगा सकते हैं।

पहले भी एक ही साल में बनाए थे दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

कमल कहते हैं कि वे शुरू से ही कुछ अलग करना चाहते थे। दूसरों के रिकॉर्ड देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती थी। साल 2020 में उन्होंने पानी के अंदर लगातार 21 योग मुद्राएं करके अपना पहला रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद ही उन्हें अपनी असली ताकत का पता चला। साल 2020 में ही उन्होंने पानी के अंदर 72 एयर रिक्स (हवा के छल्ले) बनाने का रिकॉर्ड भी बनाया था। हालांकि, बाद में अमेरिका की अमेरिलिया डी लॉस रियोस ने 81 रिक्स बनाकर उनका यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

नया रिकॉर्ड बनाने के लिए स्पॉन्सर की तलाश

कमल का कहना है कि कड़ी मेहनत से हम जिंदगी में कुछ भी हासिल कर सकते हैं। हमें बस अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए। भविष्य में कमल पानी के अंदर चलने और बेच प्रेस करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। इन नए रिकॉर्ड्स की तैयारी के लिए वे फिलहाल स्पॉन्सर्स की तलाश कर रहे हैं।

दुनिया की सबसे उम्रदराज बिल्ली बन सकती है 31 साल की ‘मिली’



दौरान उन्हें घर पर बोटलबंद बक्सटन पानी पहुंचाया जाता था। उन्होंने वहीं पानी खुद भी पीना शुरू किया और मिली को भी देना शुरू कर दिया। बाद में जब नल का पानी दोबारा आया तो वह साफ नहीं था। इसके बाद उन्होंने फैसला किया कि आगे भी सिर्फ मिनरल वॉटर ही इस्तेमाल करेंगे। इस साल मार्च में मिली का जन्मदिन भी खास तरीके से मनाया गया। उसके लिए चिकन का खास भोजन तैयार किया गया। गर्मियों में उसे आराम मिले, इसके लिए घर में वे पंखे हमेशा उसकी तरफ चलते रहते हैं। लेस्ली उम्र के पानी में बर्फ के टुकड़े भी डालते हैं, ताकि उसे गर्मी कम लगें। अब वह अक्सर फर्श पर सोना पसंद करती है, क्योंकि वहां ठंडक ज्यादा रहती है।

उम्र बढ़ने के साथ सलाह भी काफी बदल गया लेस्ली की पत्नी पाउला का निधन 2020 में कोविड-19 के कारण हो गया था। उनका कहना है कि पत्नी की मौत का असर सिर्फ उन पर ही नहीं बल्कि मिली पर भी पड़ा था। कुछ समय तक उसने खाना-पीना लगभग छोड़ दिया था। उसे दोबारा सामान्य करने के लिए उन्होंने झींगे और चिकन जैसे पसंदीदा खाने खिलाए। धीरे-धीरे वह फिर से सामान्य केट फूड खाने लगीं। लेस्ली बताते हैं कि उन बढ़ने के साथ मिली का स्वभाव भी काफी बदल गया है। पहले के मुकाबले अब वह ज्यादा शांत और सुकून से रहने लगी है। वह देर से उठती है, थोड़ी देर उनके साथ खेलती है और फिर धूप वाली जगह या सोफे के पीछे आराम करने चली जाती है। कभी-कभी बगीचे में भी घूम आती है, लेकिन ज्यादातर समय घर के अंदर ही बिताती है। उनका मानना है कि घर के अंदर सुरक्षित माहौल, अच्छा खाना, साफ पानी और भरपूर प्यार ही मिली की लंबी उम्र का राज हैं। अब उनका सबसे बड़ा सपना है कि मिली का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो। हालांकि, सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसकी सही उम्र साबित करने के लिए प्रमाण आधिकारिक दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। फिलहाल उनके पास सिर्फ 1995 को वह पुरानी तस्वीर है, जिसे देखकर उन्हें उम्मीद है कि एक दिन दुनिया भी मिली की इस अनोखी कहानी को ऑफिशियल तौर पर स्वीकार करेगी।

दुनिया के सबसे बड़े देश पर मकड़ियों ने किया अटैक

मास्को। रूस इन दिनों एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है, जिसकी किसी ने कल्पना की नहीं की थी। दुनिया के सबसे बड़े देश के कई हिस्सों में पहली बार जहरीली ब्लैक विडो मकड़ियां देखी गई हैं। इन मकड़ियों की मौजूदगी ने वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां बनी रहें तो आने वाले समय में ये मकड़ियां रूस के और भी उत्तरी इलाकों के साथ-साथ राजधानी मास्को तक स्थायी रूप से पहुंच सकती हैं। हाल ही में रूस के कई क्षेत्रों से ब्लैक विडो मकड़ियों के देखे जाने की खबरें सामने आई हैं। इनमें ओरेनबर्ग, कुर्गान, नोवोसिबिर्स्क, ओम्स्क, सारातोव और सverdlovsk जैसे इलाके शामिल हैं। खास बात यह है कि इन क्षेत्रों में पहले कभी इस प्रजाति की मौजूदगी दर्ज नहीं की गई थी। यही वजह है कि वैज्ञानिक इस बदलाव को गंभीरता से ले रहे हैं। रूसी कीट वैज्ञानिक एप्पोदोर मार्टीनोवचेंको के अनुसार, ब्लैक विडो मकड़ियां अब उन इलाकों में भी दिखाई दे रही हैं जहां पहले का मौसम इनके जीवित रहने के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था।



खबर संक्षेप

पिलपकार्ट मिनट्स पर एफटीएक्स की एंट्री

कोलकाता । फोरकास स्टूडियो लिमिटेड ने अपने प्रमुख फैशन ब्रांड एफटीएक्स को पिलपकार्ट मिनट्स पर लांच कर दिया है। 29 जुलाई 2026 से शुरू हुई इस सेवा के तहत ग्राहक अब एफटीएक्स के चुनिंदा फैशन उत्पादों की डिलीवरी मात्र 20 मिनट में प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार यह लांच उसकी ओम्नीचैनल ग्रोथ स्ट्रेटेजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फोरकास स्टूडियो की मौजूदगी और मजबूत होगी तथा ग्राहकों को तेज, सुविधाजनक और बेहतर शॉपिंग अनुभव मिलेगा।

एयर इंडिया ने भोपाल से शुरू की उड़ानें

भोपाल । राजधानी भोपाल की हवाई कनेक्टिविटी को बड़ा विस्तार मिला है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने आज राजा भोज एयरपोर्ट से अपनी नियमित उड़ान सेवाओं की शुरुआत कर दी है। एयरलाइन अब भोपाल से दिल्ली के लिए प्रतिदिन दो और मुंबई के लिए प्रतिदिन एक सीधी उड़ान संचालित करेगी। भोपाल से दिल्ली के लिए पहली उड़ान दोपहर 12.45 बजे रवाना होकर 2.15 बजे इंदिया गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचेी। बुकिंग एअर इंडिया के मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा सकती है।

होम क्रेडिट ने बताए तीन नियम

नई दिल्ली। होम क्रेडिट इंडिया ने युवाओं, खासकर जेन-जी, के लिए वित्तीय परिपक्वता के तीन अहम नियमों पर जोर देते हुए समय रहते बचत और निवेश की आदत अपनाने की सलाह दी है। कंपनी का कहना है कि जल्दी बचत और समझदारी से किया गया निवेश भविष्य में वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने की मजबूत नींव बन सकता है। होम क्रेडिट इंडिया के अध्ययन 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के अनुसार, केवल 56 प्रतिशत जेन-जी ही अपने मासिक खर्चों के बाद कोई उल्लेखनीय बचत कर पाते हैं।

कर्ज में महिलाओं और युवाओं की बड़ी मांगीदारी

मुंबई। ट्रांसयूनियन सिबिल की रिपोर्ट अनलॉकिंग एक्ससे: जनी टू क्रेडिट एक्सपेंशन इन इंडिया के अनुसार मार्च 2017 से मार्च 2026 के बीच भारत में औपचारिक कर्ज तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में कर्ज लेने के योग्य आबादी में कम से कम एक बार औपचारिक कर्ज लेने वालों की हिस्सेदारी 35 से बढ़कर 74 फीसदी हो गई। वहीं, क्रेडिट मॉनिटरिंग करने वाले उपभोक्ताओं का अनुपात मार्च 2018 के 1फीसदी से बढ़कर मार्च 2026 में 35 फीसदी तक पहुंच गया।

राशिफल

मेघ	आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।
वृष	धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।
मिथुन	मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
कर्क	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। वर्य के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।
सिंह	नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।
कन्या	शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।
तुला	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
वृश्चिक	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।
धनु	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहे। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।
मकर	शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।
कुंभ	भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग है।
मीन	मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

वर्षा ऋतु की बीमारियों में आयुर्वेदिक उपचार कारगर

बैद्यनाथ सितोपलादि चूर्ण, कासामृत और महासुदर्शन घन बटी करते हैं सर्दी-खांसी और बुखार अन्य से बचाव

हरिभूमि न्यूज ►► नागपुर

वर्षा ऋतु में मौसम में बदलाव और वातावरण में नमी के कारण सर्दी, खांसी, बुखार और पाचन संबंधी समस्याओं के मामले बढ़ जाते हैं। आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है, इसलिए खान-पान और दिनचर्या में विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा ऋतु में सबसे अधिक सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत देखने को मिलती है। सर्दी के बाद कई दिनों तक खांसी रहना, बार-बार छींक आना, भूख कम लगना, सिर दर्द और बदन दर्द जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में आयुर्वेदिक औषधियों का उपयोग चिकित्सक की

शिक्षाविद्, समाजसेवी तथा कीट-कीस-कीम्स के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत को 75वीं मानद डॉक्टरेट से महाराजा गंगा सिंह विवि ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ►► भुवनेश्वर

प्रख्यात शिक्षाविद्, समाजसेवी तथा कीट-कीस-कीम्स के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत को राजस्थान के प्रतिष्ठित एवं राज्य के सबसे पुराने सरकारी विश्वविद्यालयों में से एक महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय ने 75वीं मानद डॉक्टरेट (डी.लिट.) की उपाधि से सम्मानित किया। यह उनके जीवन की 75वीं मानद डॉक्टरेट है। यह सम्मान जयपुर स्थित राजभवन (लोक भवन) में आयोजित विश्वविद्यालय के विशेष समारोह में प्रदान किया गया। शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन, जनकल्याण और वंचित वर्गों के उत्थान में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए

अडाणी फाउंडेशन 8 हजार प्रभावित परिवारों तक पहुंचा

एजेंसी ► गुवाहाटी

असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। यह राशि राज्य में राहत, पुनर्वास और प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए उपयोग की जाएगी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने गौतम अडाणी के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह योगदान बाढ़ प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने के राज्य सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेगा।

डाबर ओडोनिल ने फ्रेगरेंस सेगमेंट में रखा कदम

नई दिल्ली। डाबर इंडिया के प्रमुख एयर फ्रेशनर ब्रांड ओडोनिल ने तेजी से बढ़ते कार फ्रेगरेंस बाजार में प्रवेश करते हुए अपनी नई ओडोनिल कार फ्रेगरेंस रेंज लॉन्च की है। कंपनी का कहना है कि यह प्रीमियम उत्पाद कार यात्राओं की अधिक ताजगीभरा और सुखद बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। नई रेंज ओशन ब्रीज और रूबी मिस्ट जैसे दो वेरिएंट में उपलब्ध है। इनमें फाइन परफ्यूमरी से प्रेरित खुशबुओं के साथ एंटी-स्मोक टेक्नोलॉजी और फ्रेगरेंस इंटेंसिटी कंट्रोल जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। जिससे लंबे समय तक ताजगी का अनुभव मिलता है। डाबर इंडिया के हेड ऑफ मार्केटिंग (होम केयर) वैभव राठी ने कहा कि पाँच दशकों से अधिक समय से ओडोनिल भारतीय घरों में ताजगी का पर्याय रहा है।

ईपीएफओ की कार्यशाला : छूट

प्राप्त प्रतिष्ठानों को नए नियमों और एमनेस्टी स्क्रीम की दी जानकारी

एजेंसी.नोएडा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020, ईपीएफ स्क्रीम-2026, एमनेस्टी स्क्रीम-2026 तथा भविष्य निधि ट्रस्टों के निवेश प्रबंधन और अनुपालन संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गई। आईटीसी फॉरयून , सेक्टर-27, नोएडा में आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा, मेरठ, आगरा और बरेली क्षेत्र के छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों, केंद्रीय ब्यासी बोर्ड के सदस्यों और ईपीएफओ के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

ई-टेण्डर सूचना
जनसंपर्क संचालनालय म.प्र. शासन (क्षेत्रप्रचार प्रभाग)
टैगोर मार्ग, बाणगंगा, भोपाल म.प्र.
सूचना
जनसंपर्क संचालनालय द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रदर्शनी एवं अन्य प्रचार कार्य हेतु पैनलबद्धता एवं दर प्रस्ताव के लिए दिनांक 10 जुलाई, 2025 को विज्ञापन क्रमांक जी-15444/25 से प्रकाशित निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।
आयुक्त, जनसंपर्क, मध्यप्रदेश
G-16616/26

शब्द पहेली - 6306									
1	2	3	4	5	6				
7			8		9				
	10			11	12				
13			14		15	16			
			17		18				
19	20	21		22	23	24			
26		27		28		29			
		30	31		32		33		
34	35		36					37	
38					39				

बाएँ से दाए

1. पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7. हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशद,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3

37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेस्था,तवायफ-5
ऊपर से नीचे
1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट, वृंष्ट-3
17.मां के पिता-2
18.दुःख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.घर,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी,

शब्द पहेली- 6305 का हल

ल	ज	म	ल	ल	क	व	च	र
ल	ख	ह	ख	क	र	र	व	वा
खि	अ	ज	ग	र	न	ल	क	य
ली	म	च	न	र	म	की	न	त
ही	ल	ल	ह	त	व	न	जा	
व	म	क	दा	बी	म	ख	सि	क
क	क	म	च	ल	ना	या	र	
अ	र	ज	र	र	ऐ	उ	च	त
ह	स	द	न	वे	त	म	य	पू
ल	म	झ	स	म	बा	र	क	रू
क	र	त	ल	व	उ	र	त	पू

विविध हरिभूमि 11

टेक्समैको-टोउएक्स-ट्रिनिटीरेल ने की संयुक्त उपक्रम की घोषणा

नई दिल्ली। भारत के रेल फ्रेट और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को नई गति देने के लिए टेक्समैको के रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड, टोउएक्स ग्रुप और ट्रिनिटीरेल ग्लोबल ने मिलकर रेलकार लॉजिंग क्षेत्र में विस्तार की योजना बनाई है। तीनों कंपनियों ने टोउएक्स टेक्समैको रेलकार लॉजिंग प्राइवेट लिमिटेड में ट्रिनिटीरेल ग्लोबल को शामिल कर संयुक्त उपक्रम का विस्तार किया है। इस नई साझेदारी के तहत टेक्समैको और टोउएक्स की संयुक्त इकाई में 34-34 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि ट्रिनिटीरेल के पास 32 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। साझेदारों ने अगले 3 से 5 वर्षों में 100 नए रैक में मौजूदा बाजार मूल्य के आधार पर करीब 1,800 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना घोषित की है।

संगठनों के साथ होटल, रेस्टोरेट, कैटरिंग छोटे कारोबारियों ने कहा-मिलेगी राहत

वाणिज्य प्रतिनिधि ►► भोपाल

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में करीब 209 रुपए तक की गई कटौती का विभिन्न व्यवसायिक संगठनों ने स्वागत किया है। संगठनों का कहना है कि इससे होटल, रेस्टोरेट, कैटरिंग, छोटे कारोबारियों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बढ़ती लागत के बीच बड़ी राहत मिलेगी। संगठनों का कहना है कि लगातार दूसरे महीने हुई कीमतों में कमी से होटल, रेस्टोरेट, कैटरिंग और खाद्य व्यवसाय से जुड़े

लाखों व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। भोपाल होटल-रेस्टोरेट व्यवसायी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली व्यापारी संगठनों ने कहा कि सरकार और रेल कंपनियों का यह कदम राहत देने वाला है। इससे खासकर छोटे होटल संचालकों, भोजनालयों, मिठाई दुकानदारों और स्ट्रीट फूड कारोबारियों को लाभ मिलेगा। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स मध्यप्रदेश के मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने कहा कि यदि कोई मध्यम आकार का होटल या रेस्टोरेट हर महीने 40 वाणिज्यिक सिलेंडर उपयोग करता है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग				
जिला नरसिंहपुर म.प्र.				
प्रारूप V				
(नियम 10 देखें)				
धारा 19 (1) के तहत पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थान घोषणा का प्रकाशन सचिव, राजस्व विभाग				
क्रमांक 490/ अ.वि.अ./ भू-अर्जन /2026			गोटेगांव, दिनांक 16/7/2026	
रा.मा.क्र. 05 /अ-82 /2025-26 मौजा ग्राम शेद पिपरिया, प.ह.नं. 89 तहसील - गोटेगांव				
जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन शेर सिबाई काम्पलेक्स परियोजना के द्बु क्षेत्र हेतु ग्राम-शेद पिपरिया प.ह.नं. 89 नं.ब. - 588 तहसील - गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में कुल 3.252 हेक्टेयर भूमि अधोक्षित है। इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक खंड है, जो 3.252 हेक्टेयर है ग्राम शेद पिपरिया तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत व्यौरा निम्नलिखित है :-				
ग्राम-शेद पिपरिया प.ह.नं. 89 नं.ब. - 588 तहसील - गोटेगांव				
	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वाभिल का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जित रकबा है.
	रूपलाल पिता संतराम, मीराबाई पिता संतराम, जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	153(S)	0.150
	पितोबाई पिता हरि बत्तीबाई पिता हरि रेवतीबाई पिता हरि जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि भूमि स्वामी स्वामी	भूमि स्वामी	154(S)	0.417
	रूपलाल पिता संतराम, मीराबाई पिता संतराम, जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	155(S)	0.200
	गोरेलाल पिता गुलाम जाति मेहरा सा. देह सेवा खातेदार ग्राम नौकर	भूमि स्वामी	159(S)	0.010
	बाबूलाल पुत्र रघुनामलाल, भूरालाल पुत्र पंचूलाल, शशिबाई पुत्री पंचूलाल, मांतीबाई पुत्री पंचूलाल, लाडलीबाई पुत्री रघुनामलाल जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	160(S)	0.040
	रामकुमारी बेवा डब्बूलाल, हंसोबाई पिता डब्बूलाल जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	161/2(S) 168/1 169/4	0.489
	शम्भू पिता हुबला जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	161/3(S) 168/2 169/3	0.400
	हुकम पिता डब्बू जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	162(S)	0.200
	हुकम पिता डब्बू जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	163/1(S)	0.024
	रमेश पिता रामचरन, इन्देश कुमार ना.बा. पिता खुमानसिंह वली व खुद दा रेमोबाई बेवा खुमानसिंह, अननोबाई मनोबाई कण्णाबाई पिता छिकोहीलाल जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	163/2(S)	0.081
	ताराबाई देवा देसाई जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	163/3(S)	0.061
	गिन्दा पिता खिन्नू जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	164(S)	0.580
	गिन्दा पिता खिन्नू जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	167(S)	0.430
	मोतीलाल पिता रामदीन जाति गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	169/2(S)	0.050
	टेकसिंह पिता भारत गोड पता शेद पिपरिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	171/1 /3(S)	0.120
	कुल योग			3.252

कुल निजी अर्जित भूमि 3.252 है.

धारा 11 के अंतर्गत प्रारंभिक अधिसूचना के सरल क्रमांक 15 एवं 16 में प्रकाशन पश्चात भौतिक सत्यापन में पाया गया कि ख.नं. 170 का रकबा अधिग्रहण में प्रभावित नहीं हो रहा है। अतः धारा 19 की घोषणा में ख.नं. 170 के बटांक 170 /1 एवं 170 /2 को शामिल नहीं किया जा रहा है।

1. कार्यपालन यंत्री पंच व्यवर्तन जलसंसाधन सभाग क्र. 01 चौरई जिला छिंदवाडा के द्वारा प्रमाण प्रस्तुत किया गया है कि भू- अर्जन के कारण विस्थापित होने वाले संपातित कुटुम्ब की संख्या निरक है, अतः इनके लिये पुनर्व्यवस्थान के क्षेत्र चिन्हित करने का प्रश्न उद्भूत नहीं होता है।
2. शेर सिवाई काम्पलेक्स परियोजना के द्बु क्षेत्र हेतु हितबद्ध व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं होने से धारा 19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थान स्क्रीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़ें कोयला, लौह तत्थर, स्लेट या अन्य खनिजों की खानें है, खान और खनिज के ऐसे भागों में जिन्हें उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना के निर्माण वरण के दौरान खोदे जाने या हाटये या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छेड़कर आवश्यक नहीं है।
4. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गोटेगांव के कार्यलय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

(संघमित्रा गौतम)
अनुविभागीय अधिकारी
पोंबसो है सूरक्षा का लक्ष्यार, बल्गो पर फर्ने अस्त्राबार
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
सह भू-अर्जन अधिकारी गोटेगांव
G-16587/26 मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

सूडोकू बवताल- 6316							***☆*☆						
8	4	3	9	7	5	6	मध्यम						
3					2								
		7	6	5							4		
9	6		5		1	7							
4		8		9	8	2					5	3	
2				6	1	4							
			7								8		
7		9	8	3	5	6					1		

सूडोकू बवताल- 6315 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.



लाइफStyle

अमिनेत्री नौहीद साइरूसी ने हाल ही में अपनी जिंदगी के बुरे दौर के बारे में बात की है। उन्होंने दो बार मिसकैरेज हुआ। इस दुःखद अनुभव के बाद उन्होंने अपने जीवन के मकसद पर दोबारा सोचने के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल सफर के बाद, कपल ने खुद को जानवरों की मलाई के काम में लगाने का फैसला किया।

पुरानी दोस्ती की यादें ताजा करता अपारशक्ति का नया गाना ‘कहां’

मुंबई। अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और वरुण शर्मा नया गाना ‘कहां’ रिलीज हो चुका है। तीन दोस्तों के बचपन की खूबसूरत यादों की कहानी दिखाई गई है। इस म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्से खुराना के खुद के स्कूल में शूट किए गए हैं। अपारशक्ति, अभिषेक और वरुण दोस्ती को समर्पित गाने ‘कहां’ में नजर आ रहे हैं। गाने में

तीनों दोस्तों की जिंदगी में इस खास रिश्ते की अहमियत को दिखाया गया है। ‘कहां’ बचपन की दोस्ती की पुरानी यादों को ताजा करता है। गाने में तीन दोस्तों की दोस्ती दिखाई गई है। इसमें वह बचपन में साथ स्कूल में पढ़ते हैं। जहां वह बहुत सारी यादें बनाते हैं। मगर स्कूल के बाद वह सब अपने भविष्य के निर्माण में व्यस्त हो जाते हैं।

नौहीद

जानवरों की मलाई के लिए करती हैं काम

एजेसी ►► नई दिल्ली

नौहीद ने हाल ही में अपना एक वीडियो शेयर किया और अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘हमारी शादी 2017 में हुई थी और 2018 में मैं पहली बार प्रेग्नेंट हुई। दुर्भाग्य से, तीसरे महीने में मिसकैरेज हो गया। डॉक्टर ने मुझे परिवार को बताने के लिए कहा। हम आखिरी चेकअप के लिए गए और दुर्भाग्य से बच्चे में कोई धड़कन नहीं थी।’ उन्होंने आगे कहा, ‘कोविड के दौरान, मैं दूसरी बार प्रेग्नेंट हुई। तब भी मिसकैरेज हो गया। तब तक, हमने जीवन में अपने मकसद के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। मैंने यह महसूस किया कि हमारा मकसद सिर्फ बच्चों को इस दुनिया में लाने से नहीं ज्यादा होना चाहिए।’ उन्होंने आगे कहा ‘शायद हमारा मकसद उन जानवरों की देखभाल करना है, जिन्हें हमारी जरूरत है। इसलिए हम बिना किसी को बताए जानवरों के लिए बहुत कुछ कर रहे हैं। एक जरूरी बात जो मैं बताना भूल गई थी, वह यह है कि मैं किसी भी तरह का आईवीएफ नहीं करवाना चाहती थी। क्योंकि, मुझे लगता था कि अगर कोई बच्चा हमारा होना है, तो वह हमारा ही होगा, और मैं उस रास्ते पर नहीं जाना चाहती थी।’ नौहीद साइरूसी ने 2003 में फिल्म सुपारी से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा।



हॉलीवुड मसाला



हिट फिल्मों का तोड़ा रिकॉर्ड...

नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म ‘स्पाइडर मैन बांड न्यू डे’ भारतीय दर्शकों को काफी लुभा रही है। अपनी रिलीज से महज तीन दिनों में ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर ली है। इस हॉलीवुड फिल्म की तीन दिनों की कमाई कई बॉलीवुड की सफल फिल्मों की तीन दिनों की कमाई से ज्यादा दर्ज हुई है। टॉम हॉलैंड की ‘स्पाइडर मैन: बांड न्यू डे’ ने तीन दिनों में भारत में फिल्म ने 215.48 करोड़ रुपये की कमाई की है। किस्टोफर नोलान की ‘द ओडिसी’ से मिल रही टक्कर के बाद भी इसका प्रदर्शन शानदार रहा है।



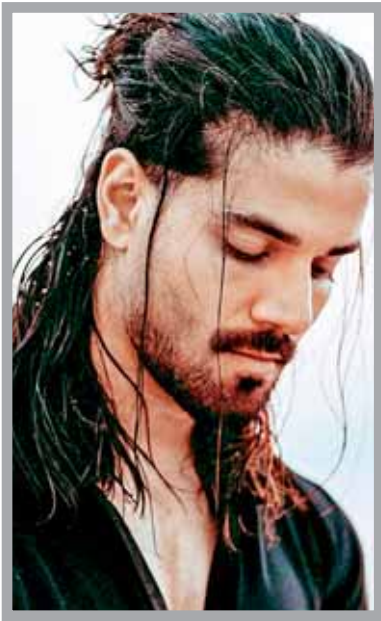
विसेंट ने सोप्रनोस में किया था गैंगस्टर का रोल...

लॉस एंजिल्स। चर्चित सीरीज सोप्रनोस में अमिनेता विसेंट पास्टोर ने एक गैंगस्टर का रोल किया था, इस चिरदार को निभाकर वह हॉलीवुड दर्शकों के बीच काफी मशहूर हुए। अब यह अमिनेता हमारे बीच नहीं है। 80 साल की उम्र में विसेंट पास्टोर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। वह साल 1980 से फिल्मों में सक्रिय था। 90 के दशक में आकर उन्हें हॉलीवुड में अलग पहचान मिली, उनके अभिनय को सराहा गया। इसमें सबसे बड़ा हाथ सीरीज ‘सोप्रनोस’ का रहा। इसमें निभाया गैंगस्टर का चिरदार उनकी पहचान बन गया। इसमें पहले वह गैंगस्टर होते हैं और बाद में एफबीआई के मुखबिर बन जाते हैं। एक्टर बनने से पहले वह अमेरिकन नवों में भी थे, उन्होंने वियतनाम युद्ध में भी भाग लिया था।



किरदारों को चुनने में रहूंगी सतर्क...

मुंबई। चर्चित टीवी शो ‘बालिका वधू’ में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रहें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं। एक बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी 15’ में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी सक्रिय चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।



बेगुनाही साबित करने के लिए किया संघर्ष

मुंबई। सूरज पंचोली ने सोशल मीडिया पर जिया खान सुसाइड मामले से जुड़ा हुआ एक भावुक नोट साझा किया है। इसमें उन्होंने जिया के दर्द और ट्रायल के दौरान अपने संघर्ष के बारे में बात की। अपनी पोस्ट में सूरज ने लिखा, ‘जब यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, तब मेरी उम्र मात्र 20 वर्ष थी। मैं उसे केवल चार महीने से जानता था, और मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह अंदर ही अंदर किस पीड़ा से गुजर रही होगी। उस उम्र में, मैं इतना छोटी था कि यह समझ नहीं पाता था कि कोई व्यक्ति इतना बोझ अपने अंदर कैसे दबा सकता है। अपने बुरे वक्त को याद करने हुए आगे सूरज ने अपनी पोस्ट में बताया, ‘मैंने अगले 14 साल अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए संघर्ष किया। ये वो साल थे जब मुझे अपना जीवन संभारना चाहिए था।

सलमान ने दोस्ती के लिए एसवीसी 63 की सैलरी से कट किए 50 करोड़ रुपए

मुंबई। सलमान खान इंस्टर्डी के सबसे महंगे एक्टर्स में शुमार हैं। बीते कुछ साल से वह अमूमन एक फिल्म के लिए कथित तौर पर 120 करोड़ की फीस वसूलते हैं। इसके अलावा फिल्म से होने वाले मुनाफा में हिस्सा अलग। यह वाजिब भी है, क्योंकि 2010 में ‘दबंग’ से

रिपोर्ट में इस बाबत दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह फैसला सलमान की रफी काजी के साथ दोस्ती की वजह से



लेकर पिछली रिलीज ‘सिकंदर’ तक, उनकी लगातार 18 फिल्मों 100 करोड़, 200 करोड़ और 300 करोड़ क्लब में हैं। लेकिन, अब खबर है कि भाईजान ने नयनतारा के साथ अपनी अगली एक्शन फिल्म ‘एसवीसी 63’ के लिए फीस में भारी कटौती कर दी है। बताया जा रहा है कि एक करारी दोस्त के कारण उन्होंने फिल्म के लिए अपनी फीस 50 करोड़ कम कर दी है। सलमान खान इन दिनों दिल राजू के प्रोडक्शन में बन रही डायरेक्टर वामशी पेडिएल्ली की फिल्म एसवीसी 63 की शूटिंग में बिजी हैं। यह फिल्म अगले साल ईद 2027 के मौके पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान इस फिल्म लिए सिर्फ 70 करोड़ फीस ले रहे हैं। एक

प्रोजेक्ट में मध्यस्थ हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर्स में रफी का नाम भी शामिल होगा। इसी दोस्ती की वजह से सलमान खान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने को तैयार हुए हैं।

‘हर दौर एक जैसा नहीं होता, कुछ इंतजार करने के लिए कहते हैं, कुछ हमसे लड़ने को’

नई दिल्ली। सामंथा रूथ प्रभु जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस अपना प्रेग्नेंसी फेज एनर्जीय कर रही हैं। अब उन्होंने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए लेटेस्ट फोटोशूट की झलकियां दिखाई हैं। सामंथा रूथ प्रभु ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना लेटेस्ट पोस्ट शेयर करके फैस को सरप्राइज दे दिया। उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं और फैस उनके बेबी बंप को देख कमेंट कर रहे हैं। दरअसल, हाल ही में सामंथा ने प्रेग्नेंसी में अपना फोटोशूट कराया जिसकी झलकियां उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस येलो कलर की



बॉडीकॉन ड्रेस में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने लुक को इयररिंग्स से कंप्लीट किया और उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो चार-चांद लगा रहा था। इन तस्वीरों की शेयर करते हुए सामंथा रूथ प्रभु ने गहरी बात की।

उन्होंने लिखा, ‘हर दौर एक जैसा नहीं होता। कुछ दौर हमसे इंतजार करने को कहते हैं। कुछ हमसे लड़ने को कहते हैं। कुछ हमसे सब छोड़ देने को कहते हैं। हम दूर चुन नहीं सकते। बस यह चुन सकते हैं कि हम उसे कैसे जीते हैं। सामंथा रूथ प्रभु की तस्वीरें सामने आते ही फैस उन पर प्यार लुटाने लगे। लोग उनके बेबी बंप और उनके प्रेग्नेंसी ग्लो की तारीफ कर रहे हैं। 2021 में नागा चैतन्य से अलग होने के बाद सामंथा रूथ प्रभु को फिल्ममेकर राज निदिमोस में दूसरा प्यार मिला। दोनों ने पिछले साल 1 दिसंबर को ही गुप्तपुत्र तरीके से शादी की थी। अब शादी के बाद कपल पहली बार माता-पिता बनने जा रहा है। फिलहाल, एक्ट्रेस अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़े पोस्ट शेयर कर रही हैं। वर्क फ्रंट की बात करते तो हाल ही में सामंथा मां इति बंगाराम में नजर आई थीं।

टीवी मसाला



क्रेडिट कार्ड एजेंट गालियां देता था, राजेश ने याद किया संघर्ष

नई दिल्ली। अमिनेता राजेश कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म ‘ओह माय डॉग’ को लेकर इस वक्त चर्चा में हैं। अपने प्रोफेशनल कमबैक के साथ-साथ, कुमार ने अक्सर अपनी जिंदगी के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की है, जब उन्होंने अपने कैरियर के पीक पर एक्टिंग से दूरी बना ली थी। एक बातचीत में राजेश ने बताया कि जब वे 42 साल के थे, तब उन्होंने एक्टिंग से बैक लेने का फैसला किया। कई लोगों का मानना है कि वह उस वक्त अपने कैरियर के पीक पर थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने खेती करने का फैसला किया, लेकिन इस फैसले की उन्हें भारी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ी। यह काम सफल नहीं हुआ। 2022 में एक्टिंग में वापसी करने से पहले उन्होंने अपना सब कुछ खो दिया। पीछे मुड़कर देखने पर, राजेश ने उन पांच वर्षों को जिंदगी बदलने वाला बताया। उन्होंने बताया, ‘मैंने ऐसे पल भी देखे हैं जब क्रेडिट कार्ड रिकवरी एजेंट नीचे फोन करके मुझे गालियां देते थे, क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं थे। मैंने अपनी कार बेच दी। मेरे पास जो आखिरी गाड़ी थी वह एक इको कार थी, आखिरकार मुझे उसे नासिक में अपने किसानों को देना पड़ा क्योंकि मैं उन्हें पैसे नहीं दे पा रहा था।’ इतनी मुश्किलों से गुजरने के बावजूद, राजेश ने कहा कि उन्होंने कभी भी खुद को डिप्रेशन का शिकार नहीं होने दिया। इसके बजाय, उन्होंने उस अनुभव से सीखने पर ध्यान दिया। राजेश का मानना है कि जिन चुनौतियों का उन्होंने सामना किया, उनसे वे एक बेहतर परफॉर्मर बने हैं। उनका मानना है कि एक इंसान के तौर पर वे जितना बेहतर बने हैं, उनका काम भी उतना ही बेहतर हुआ है।

राम कपूर ने लॉकअप 2 में खोला ‘मौत’ का राज

नई दिल्ली। लॉकअप 2 रियलिटी शो में राम कपूर ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अमिनेता ने बताया कि डॉक्टरों ने बताया कि वह बहुत अस्वस्थ हैं और छह महीने में उनकी मौत भी हो सकती है। इस बात को राम कपूर ने अपनी पत्नी मौतमी की भी नहीं बताया था। लॉकअप 2 में राम कपूर ने कहा, ‘मैंने दुनिया से एक राज छिपाकर रखा था। यहां तक कि मेरी पत्नी को भी इसके बारे में नहीं पता था। एक टीवी शो के दौरान मैं अपनी जिंदगी के सबसे बुरे डिप्रेशन से गुजर रहा था। लेकिन मेरे वजन की वजह से ही मुझे छोटे पर्दे पर बहुत प्यार मिला, मेरी इतनी चर्चा हुई कि कुछ समय के लिए मैं सबसे ज्यादा रेटिंग वाला टीवी स्टार बन गया था। राम कपूर ने आगे कहा, ‘लेकिन मेरे डॉक्टरों ने मुझसे कहा कि मैं अस्वस्थ हो गया हूँ। छह महीने में मेरी मौत हो सकती है। मुझे डायबिटिक स्ट्रोक हो सकता था क्योंकि मैं दिन में तीन बार इंसुलिन ले रहा था।



नई दिल्ली। भारत की स्वर सामाजी लता मंगेशकर की आवाज के तो करोड़ों लोग दीवाने हैं, उनके दुनिया छोड़ जाने के बावजूद वे अपनी आवाज के जरिए फैस के दिलों में अमर हैं। लेकिन, ये जानना भी काफी दिलचस्प है कि आखिर लता दीदी को किन सिंगर्स की आवाज पसंद थी। लता मंगेशकर ने कई बार अपने कंटेपेरी सिंगर्स की तारीफ की है इन्हीं में से एक सिंगर हैं – के. एस. चित्रा, जिनका पूरा नाम है कृष्णन नायर शान्तिकुमारी चित्रा। उन्हें केरल की बुलुल या छोट बुलुल भी कहा जाता है। उन्होंने अपने कैरियर में लगभग 25000 गानों को आवाज दी और 6 नेशनल फिल्म अवॉर्ड अपने नाम किए।



भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था और श्रद्धा

के. एस. चित्रा की एक खास बात ये है कि वे अपने प्रोफेशन को काफी आस्था और श्रद्धा के साथ फॉलो करती हैं और इसीलिए जब वे किसी मंच पर परफॉर्म करती हैं या स्टूडियो में रिकॉर्ड करती हैं अपनी चप्पल बेहद सम्मान के साथ बाहर उतारकर जाती हैं। भारतीय संस्कृति में संगीत की कला को सरस्वती की देन माना जाता है और इसीलिए कई वरिष्ठ गायक चप्पल उतारकर इसकी साधना करते हैं और इन्हीं सिंगर में से एक हैं- के. एस. चित्रा।

लता ने की थी चित्रा की तारीफ

द्विगुण गायिका लता मंगेशकर ने के. एस. चित्रा की तारीफ की थी, सिंगर ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि लता दीदी ने उनकी पहली मुलाकात चेन्नई में हुई थी। उस मुलाकात के दौरान लता मंगेशकर ने सिंगर से कहा था, ‘मैंने तुम्हें गाते हुए सुना है। चित्रा जी के लिए ये एक बात उनकी जिंदगी

का एक यादगार किस्सा बन गई। इतना ही नहीं, चित्रा के रेशल म्यूजिक पर भी लता मंगेशकर ने उन्हें फोन कर बधाई दी थी और उनके सिंगिंग टैलेंट की तारीफ की थी।

कई भाषाओं में दी है सुरीली आवाज

के. एस. चित्रा ने साउथ इंडियन भाषाओं मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और बंगाली समेत कई भाषाओं में अपनी सुरीली आवाज दी है। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री और पद्म भूषण अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है।

के. एस. चित्रा के पॉपुलर हिंदी सॉन्ग्स

- कहना ही क्या
- रूप सुहाना लगता है
- ये हर्सी वादियां
- पिया बसती
- रात का नशा
- तुम बिन



महज 36 मिनट में फाइनल फतह, सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं तन्वी

एजेसी >>> ताड़ो सिटी

युवा भारतीय सनसनी तन्वी शर्मा ने रविवार को ताड़ो ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीय थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उप विजेता रही पंजाब की 17 साल की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को 36 मिनट में 21-16, 21-16 से हराया। 17 वर्ष और 222 दिन की उम्र में ताड़ो ओपन के इतिहास की सबसे कम उम्र की चैपियन बनी तन्वी ने इस मामले में ताड़वान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

खबर संक्षेप

दलीप ट्रॉफी: तिलक वर्मा को साउथ जोन की कमान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए साउथ जोन टीम की घोषणा हो गई है। तिलक वर्मा को

15 सदस्यों वाली टीम का कप्तान बनाया गया। आंध्र के बैटर रिकी भुई उप-कप्तान होंगे।

टीम में करुण नायर भी शामिल हैं,जो पिछले साल एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान भारत के लिए खेले थे। यह जोनल टूर्नामेंट 23 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन साउथ जोन पिछले एडिशन में फाइनल में पहुंचने की वजह से 30 अगस्त को सेमीफाइनल में सीधे खेलेगा।

7 अगस्त से भारत और मलेशिया में हॉकी सीरीज बंगलुरु। भारत 7 से 13 अगस्त तक नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 पुरुष टीम की 8 मैच की श्रृंखला के लिए मेजबानी करेगा। इस श्रृंखला में मलेशिया की अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष टीम के खिलाफ 5 और साइ टीम के खिलाफ 3 मैच खेलेगी। यह श्रृंखला आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतिযোগिताओं के लिए दोनों टीम की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस श्रृंखला का उद्देश्य दोनों टीमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में खेलने का अवसर उपलब्ध कराना और द्विपक्षीय खेल संबंधों को मजबूत करना है। भारतीय जूनियर टीम मलेशिया से 7, 8, 10, 12 और 13 अगस्त को भिड़ेगी।

श्रीलंका दौरा

भारत को झटका, बुमराह टेस्ट सीरीज से बाहर



लॉर्ड्स वनडे में हुए थे चोटिल

इंग्लैंड के खिलाफ 32 वर्षीय बुमराह लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे एकदिवसीय मैच में चोटिल होने के बाद नहीं खेल पाए थे। वह हाल ही में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे थे और उम्मीद थी कि दो सप्ताह बाद शुरू होने वाली श्रृंखला तक वह मैच के लिए फिट हो जायेंगे। हालांकि पता चला है कि बुमराह को अब भी कुछ परेशानी महसूस हो रही है। अगर वह 15 अगस्त या 23 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले फिट भी हो जाते हैं तो भी विकिरसा टीम इस बात को लेकर आश्चर्य नहीं है कि धीमी पिचों पर गेंदबाजी के अधिक बोझ को देखते हुए टेस्ट क्रिकेट उनके लिए सही प्रारूप होगा।

प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाया

तन्वी ने अमेरिकी ओपन में फाइनल में अपने सफर के दौरान भी एनगुएन को हराया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबले की शुरुआत आक्रमक अंदाज में की। उन्होंने अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाते हुए 4-1 की बढ़त बना ली। ड्रॉप शॉट और कांस कोर्ट स्मैश का बेहतरीन मिश्रण करते हुए भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त को 10-2 तक पहुंचा दिया। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के खेल को पढ़ने और शटल की दिशा का सही आकलन करने में संघर्ष करती नजर आईं।



गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर के बाद 5 हजार मीटर दौड़ में जीता कांस्य पदक

केन्या के मैथ्यू क्पिचुम्बा क्पिसांग ने 13:23.61 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता

एजेसी >>> ग्लास्गो

गुलवीर सिंह ने ग्लास्गो में इतिहास रच दिया। वे पुरुषों की 5 हजार मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह गेम्स के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ट्रेक एंड फ़ील्ड एथलीट बन गए।

28 जुलाई को 10 हजार मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने के बाद मौजूदा एशियाई चैंपियन ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आखिरी दिन 5 हजार मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। उन्होंने यह दौड़ 13:24.95 में पूरी की। केन्या के मैथ्यू क्पिचुम्बा क्पिसांग ने 13:23.61 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि 10 हजार मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 5000 मीटर में 13:24.70 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।



स्वदेश लौटने पर मीराबाई और लवप्रीत का मय्य स्वागत

नई दिल्ली। स्टार मारोलेलक सेखेन मीराबाई चाव और लवप्रीत सिंह सहित राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों के पहले दल का रविवार को स्वदेश लौटने पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ों प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई ने हवाई अड्डे पर कहा, 'मणिपुर से होने के नाते मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैं अपने देश के लिए कुछ अच्छा कर सकी।' पुरुषों के 109 किग्रा से अधिक वर्ग में एक किग्रा के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूककर रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं। पंजाब के 28 वर्षीय लवप्रीत ने कहा, 'मैं भारतीय नौसेना, अपने कप्तान विजय कुमार और यहां स्वागत के लिए आए सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूँ।'

15 चौके और 25 छक्के जड़कर अभिषेक ने ठोका दोहरा शतक

एजेसी >>> नई दिल्ली

अभिषेक शर्मा ने एक लोकल डिस्ट्रिक्ट वनडे मुकाबले में अपनी तुफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया। अभिषेक ने अमृतसर मेंस सीनियर टीम की ओर से खेलते हुए तरन तारन मेंस सीनियर टीम के गेंदबाजों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। वो इस मुकाबले में दोहरा शतक जड़ने में कामयाब रहे, जिसके चलते अमृतसर मेंस सीनियर टीम ने 50 ओवर में 500 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया। अभिषेक ने इस मुकाबले में 91 गेंदों का सामना करते हुए 233 रनों की ऐतिहासिक और विस्फोटक पारी खेली। 250 से भी ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और 25 तुफानी छक्के लगाए।



खराब फॉर्म के बाद जोरदार वापसी

हाल के समय में भारतीय टीम के लिए खेलते हुए अभिषेक शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की पिछली सात पारियों में वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उनका बल्ला पूरी तरह खामोश रहा था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 1, 8 और 2 रन बनाए थे।

ग्लोबल सुपर लीग के फाइनल में गयाना वॉरियर्स ने सैन फ्रांसिस्को को दी मात

गेंदबाजों का करिश्मा : सिर्फ 85 रन बनाकर गयाना ने जीता खिताब

एजेसी >>> नई दिल्ली

टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाजों की आतिशी पारियों की चर्चा होती है, वहीं ग्लोबल सुपर लीग के फाइनल में गेंदबाजों का ऐसा दबदबा देखने को मिला, जिसने मुकाबले को यादगार बना दिया। गयाना अमेजन वॉरियर्स और सैन फ्रांसिस्को वूनिर्कार्नस के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले में दोनों टीमों मिलकर भी 100 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाईं।

गयाना ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 85 रन बनाए, लेकिन उसके गेंदबाजों ने इस छोटے से लक्ष्य को भी पहाड़ जैसा बना दिया। सैन फ्रांसिस्को की पूरी टीम 79 रन पर सिमट गई और गयाना ने 6 रन से रोमांचक जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

गेंदबाजों ने नहीं

बनने दिए 86 रन

86 रन के आसान दिख रहे लक्ष्य का पीछा करने उतरी सैन फ्रांसिस्को युनिर्कार्नस को गयाना के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव में रखा। टीम के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे और लगातार विकेट गिरते गए। ऑलिवर पीक ने 31 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, जबकि पीटर सिडल ने नाबाद 13 रन बनाए। लेकिन बाकी बल्लेबाजों में से कोई भी दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका और पूरी टीम 18.3 ओवर में 79 रन पर आलआउट हो गई।

ताड़ो ओपन: 17 साल और 222 दिन की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को हराया

ताड़वान की खिलाड़ी जू रिंग का तोड़ा रिकॉर्ड

सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट बनीं तन्वी

जीत के बाद भावुक क्षण में तन्वी ने अपना स्वर्ण पदक उतारकर कोच पार्क के गले में पहनाया। तन्वी 17 साल और 222 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट भी बनीं। उन्होंने कोरिया के महान युगल खिलाड़ी ली योगे डे को पीछे छोड़ दिया, जो 2006 में पुरुष युगल फाइनल में पहुंचने पर 17 साल और 281 दिन के थे।

मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : तन्वी

तन्वी ने कहा कि यह खिताब जीतकर मैं बेहद खुश हूँ। उन्होंने कहा, मुझे इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने की उम्मीद नहीं थी। मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। मैंने एक बार में एक मैच पर ध्यान दिया और पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। पाँची सिंधु के पूर्व मेंटर (मार्गदर्शक) पार्क ताए संग से कोचिंग लेने वाली तन्वी 2008 में साइना नेहवाल के बाद ताड़ो ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय हैं। पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम गंवाने वाली तन्वी ने कहा, 'मैं काफी नर्वस थी लेकिन मैंने यही सोचा कि मुझे अपना शत प्रतिशत देना है और अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा रखना है।' उन्होंने कहा, 'लगातार पांच मैच खेलना मेरे लिए भी आसान नहीं था। लेकिन मुझे पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखनी थी। अब मुझे सुपर 500 और सुपर 750 स्तर के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करती रहूंगी।'

एक सत्र में दो पदक जीतने

वाली पहली भारतीय

पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक तन्वी विश्व जूनियर चैंपियनशिप के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक के अलावा मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह उस भारतीय टीम की भी सदस्य थी, जिसने एशियाई टीम चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। तन्वी 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में पहुंचीं। वह इस साल ताड़ो ओपन में खिताबी मुकाबले में भी पहुंची और ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 तथा गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में भी उप विजेता रही और दुनिया की शीर्ष 35 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं।

नहिला टी20

श्रीलंका ने पाकिस्तान को 6 विकेट से दी मात



एजेसी >>> दांबुला

श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान से मिले 176 रनों के लक्ष्य को श्रीलंकाई टीम ने 17.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। इस जीत के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त भी बना ली है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाली इमेशा दुलानी महज 5 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद कप्तान चमारी अटापट्ट और संजना कविंदी ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए महज 22 गेंदों में 44 रन जोड़े। अटापट्ट ने सिर्फ 15 गेंदों का सामना करते हुए 40 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, संजना 24 गेंदों में 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 46 रन बनाने के बाद आउट हुईं।

विम्बी गुणरत्ने भी अच्छी लय में नजर आईं और उन्होंने 29 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जबकि हर्षिता समरविक्रमा 22 गेंदों में 37 रन बनाकर नाबाद रहीं और टीम को जीत दिलाकर लौटीं। हर्षिता ने अपनी इस पारी में 8 चौके लगाए। वहीं, कविशा दिलहरी 14 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। गेंदबाजी में पाकिस्तान की तरफ से उम्मे हानी ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकआए। इससे पहले, पाकिस्तान को कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 90 रन जोड़े।

मेजर लीग सॉकर : कोलंबस कू ने मियामी की जीत पर लगाया ब्रेक

■ मेंडेज ने 84वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागकर कोलंबस को बराबरी दिलाई

एजेसी >>> मियामी

ब्रेस मेंडेज ने मेजर लीग सॉकर में पदार्पण करते हुए अंतिम लम्हों में गोल दागा, जिससे कोलंबस कू ने इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। मैच में कोलंबस ने मियामी के लगातार छह मैच में जीत के क्रम को भी तोड़ दिया। मियामी ने हालांकि अपने पिछले सात मैच नहीं गंवाए हैं। मेंडेज ने 84वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागकर कोलंबस को बराबरी दिलाई।

अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह दिलाने वाले लियोनल मेस्सी मियामी की ओर से 53वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे। उन्हें गोल करने के कई मौके मिले लेकिन सफलता नहीं मिली। कोलंबस को पहले हॉफ में आत्मघाती गोल का भी फायदा मिला। मियामी के लिए लुई सुआरेज ने 16वें मिनट जबकि नोह एलेन ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागा।



सैन फ्रांसिस्को को 79 रन पर सनेटा



गयाना के 29 रन पर

गिरे 8 विकेट

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गयाना की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के बड़े बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (8), शिमरोन हेटमायर (4) और रोचमैन पॉवेल (2) जल्दी आउट हो गए। हालात इतनी खराब थी कि 29 रन के स्कोर तक टीम अपने 8 विकेट गंवा चुकी थी। ऐसे मुश्किल समय में मैथ्यू फोर्ड, इवेन प्रीटोरियस और कप्तान इमरान ताहिर ने मोर्चा संभाला। फोर्ड ने 28 रन की अहम पारी खेली, जबकि प्रीटोरियस ने नाबाद 17 और ताहिर ने 11 रन बनाकर टीम को 85 रन तक पहुंचाया।





घुटना दर्द

गर्दन दर्द

कलाई दर्द

कमर दर्द

Dr. Ortho

आयुर्वेदिक तेल, कैप्सुल, स्प्रे और ओइंटमेंट

जोड़ों के दर्द की बेजोड़ दवा...

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. आर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं अपितु लंबे समय तक बना रहता है।



सात साल में 5,136 में सिर्फ 480 मकान तैयार

महंगाई और टेकेदारों की बेरुखी से थमी पीएम आवास योजना

जबलपुर। शहर में आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम आय वर्ग के लोगों को अपना घर उपलब्ध कराने का सपना अब भी अधूरा है। प्रधानमंत्री आवास योजना महंगाई, पुराने टैंडरों और टेकेदारों की उदासीनता के चलते रफ्तार खो चुकी है। सात वर्ष पहले शुरू हुई योजना में स्वीकृत 5,136 आवासों में से अब तक केवल 480 मकान ही बन पाए हैं, जबकि तीन प्रमुख परियोजनाओं का निर्माण पूरी तरह ठप है। स्थिति यह है कि जिन परिवारों को जल्द घर मिलने की उम्मीद थी, वे आज भी इंतजार कर रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र में मोहनिया, तेवर, कुदवारी, तिलहरी और परसवाड़ा (ए एवं बी) में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासीय परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। फिलहाल केवल मोहनिया और तेवर में निर्माण कार्य जारी है। कुदवारी में 816 आवास अधूरे पड़े हैं, जबकि तिलहरी और परसवाड़ा की परियोजनाओं में अब तक निर्माण शुरू ही नहीं हो सका।

पुराने टैंडर बने सबसे बड़ी बाधा

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2017-18 में जारी टैंडरों की दरें मौजूदा निर्माण लागत की तुलना में काफी कम हैं। निर्माण सामग्री और मजदूरी की बढ़ी कीमतों के कारण टेकेदार पुराने अनुबंधों पर काम करने से पीछे हट रहे हैं। इसका सीधा असर पूरी योजना की प्रगति पर पड़ा है।

सात साल में लक्ष्य से कोसों दूर

योजना के तहत 5,136 आवास स्वीकृत किए गए थे, लेकिन अब तक सिर्फ 480 आवास तैयार हो सके हैं। शेष 4,656 आवास विभिन्न चरणों में अधूरे हैं। मोहनिया और तेवर में कमजोर आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए तैयार आवासों में सीमित संख्या में ही बिक्री हो सकी है, हालांकि सैकड़ों हितग्राहियों ने बुकिंग करा रखी है।

एमआईसी ने निकाला नया रास्ता

नगर निगम की मेयर इन कार्डसिल (एमआईसी) ने अधूरी परियोजनाओं को 'जो जहां है, जैसा है' आधार पर पीपीपी मॉडल से पूरा कराने का निर्णय लिया है। इसकी शुरुआत तिलहरी परियोजना से प्रस्तावित है, जहां 288 आवासों के निर्माण के लिए टैंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इससे प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग अन्य अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने में किया जाएगा। हालांकि बैठक के कई दिन बाद भी प्रस्ताव की कार्यवाही (मिनिट्स) संबंधित विभाग तक नहीं पहुंचने से प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

योजना की स्थिति एक नजर में

स्वीकृत आवास : 5136
बनकर तैयार : 480
निर्माणाधीन/अधूरे : 4,656
खिंके आवास : 286

पीपीपी मॉडल से काम पूरा करने की तैयारी

योजना प्रमारी सुनील दुबे के अनुसार, पुराने टैंडरों पर टेकेदार काम करने की तैयार नहीं हैं। इसलिए अधूरी परियोजनाओं को पीपीपी मॉडल के तहत पूरा करने की तैयारी की गई है। एमआईसी से प्रस्ताव मंजूर हो चुका है और औपचारिक प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

1500 दिन तक बिना ब्रेकडाउन दी बिजली

54 वर्ष पुरानी ट्रांसमिशन लाइनें बनीं भरोसे की मिसाल

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की बैतूल जिले में स्थित 54 वर्ष पुरानी ट्रांसमिशन लाइनें आज भी उत्कृष्ट विश्वसनीयता के साथ संचालित हो रही हैं। वर्ष 1972 में ऊर्जीकृत इन लाइनों सहित जिले की 20 एक्सट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने पिछले लगभग 1500 दिनों से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत आपूर्ति कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बैतूल की इन 20 ट्रांसमिशन लाइनों के अलावा प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें पिछले चार वर्षों से बिना ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों और मटेनेंस कर्माों में लगे आउटसोर्स कर्मिकों की तकनीकी दक्षता, सतर्कता और समर्पण को दिया। सारणी क्षेत्र से जुड़ी इन ट्रांसमिशन लाइनों के निर्बाध संचालन का सीधा लाभ विद्युत उत्पादन को भी मिला। ट्रांसमिशन नेटवर्क में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने से सारणी विद्युत गृह से उत्पादित बिजली की निकासी लगातार सुचारु बनी रही, जिससे उत्पादन इकाइयों को किसी कटौती का सामना नहीं करना पड़ा। इस उपलब्धि में इंटर-स्टेट 220 केवी सारणी-कलमेश्वर लाइन के साथ-साथ सारणी, बैतूल, मुलताई, आमला, छिंदवाड़ा, रेलवे ट्रेक्शन तथा पावर ग्रिड से जुड़ी विभिन्न 220 केवी और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइनें शामिल हैं।

जबलपुर। शहर के गोकलपुर वार्ड में नगर निगम के जोन अधिकारियों की बड़ी लापरवाही और अनदेखी सामने आई है। निगम द्वारा शोभापुर के व्हीकल मोड़ क्षेत्र को अधोषिात रूप से कचरा डंप करने का अड्डा बना दिया गया है। आलम यह है कि यहां न सिर्फ शहर का कचरा, बल्कि मृत जानवरों को भी लाकर फेंका जा रहा है। इस कारण क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है और आम जनता लगातार सड़क हादसों का शिकार हो रही है।युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी ने नगर निगम की इस कार्यप्रणाली पर तीखा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि शहर के हृदय स्थल शोभापुर (गोकलपुर वार्ड) में निगम की इस धिनीनी करतूत ने हाहाकार मचा रखा है। व्हीकल मोड़ पर लगातार डंप किए जा रहे कचरे और मरे हुए जानवरों के मांस के कारण यहां सैकड़ों की तादाद में आवारा कुत्तों ने अपना डेरा जमा लिया है। इन कुत्तों के अचानक सड़क पर आ जाने और वाहनों के पीछे दौड़ने से लगातार गंभीर एक्सीडेंट हो रहे हैं, जिसका सीधा खामियाजा बेकसूर जनता को भुगतना पड़ रहा है।

शोभापुर व्हीकल मोड़ बना कचरा और मृत जानवरों का डंपिंग यार्ड

जबलपुर। शहर के गोकलपुर वार्ड में नगर निगम के जोन अधिकारियों की बड़ी लापरवाही और अनदेखी सामने आई है। निगम द्वारा शोभापुर के व्हीकल मोड़ क्षेत्र को अधोषिात रूप से कचरा डंप करने का अड्डा बना दिया गया है। आलम यह है कि यहां न सिर्फ शहर का कचरा, बल्कि मृत जानवरों को भी लाकर फेंका जा रहा है। इस कारण क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है और आम जनता लगातार सड़क हादसों का शिकार हो रही है।युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी ने नगर निगम की इस कार्यप्रणाली पर तीखा रोष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि शहर के हृदय स्थल शोभापुर (गोकलपुर वार्ड) में निगम की इस धिनीनी करतूत ने हाहाकार मचा रखा है। व्हीकल मोड़ पर लगातार डंप किए जा रहे कचरे और मरे हुए जानवरों के मांस के कारण यहां सैकड़ों की तादाद में आवारा कुत्तों ने अपना डेरा जमा लिया है। इन कुत्तों के अचानक सड़क पर आ जाने और वाहनों के पीछे दौड़ने से लगातार गंभीर एक्सीडेंट हो रहे हैं, जिसका सीधा खामियाजा बेकसूर जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जनहित के तीन मामलों पर मानव अधिकार आयोग सख्त

अधिकारियों से तलब की कार्रवाई रिपोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने जबलपुर से जुड़े तीन महत्वपूर्ण जनहित मामलों में स्वतः संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों से विस्तृत प्रतिवेदन तलब किया है। आयोग की मुख्य पीठ, भोपाल के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने मीडिया रिपोर्टों के आधार पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में जांच कर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने दी।

स्कूल परिसर में रख दिया ट्रंस्फार्मर

पाटन तहसील के ग्राम कंतोरा स्थित स्कूल परिसर में विद्युत ट्रंस्फार्मर रखे जाने और उसके तार खुले में फैले होने से बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न होने के मामले में आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने मध्यप्रदेश

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी संजय सेठ की निगरानी में अब तक 77 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं। नामांकन 3 और 4 अगस्त को जमा होंगे, जबकि 5 अगस्त को उनकी जांच की जाएगी। 6 अगस्त को नाम वापसी के बाद अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी होगी। इसके बाद 17 अगस्त को सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक 3004 अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतगणना 18 अगस्त से प्रारंभ होगी। अध्यक्ष पद के लिए इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। वर्तमान सचिव परितोष त्रिवेदी, पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा और डीके जैन के अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता मुंगेंद्र सिंह, संपूर्ण तिवारी, एसडी गुप्ता, बसंत डेनियल तथा उमेश वैद्य ने दावेदारी पेश की है। वहीं सचिव पद के लिए मौजूदा सहसचिव योगेश सोनी, आशीष त्रिवेदी, शशांक उपाध्याय और अशोक मिश्रा चुनाव मैदान में हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी संजय सेठ ने बताया कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाएगी। नामांकन की जांच के बाद 6 अगस्त को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होगी और उसी दिन अंतिम प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। इसके अलावा उपाध्यक्ष के दो पदों पर भी मुकाबला होगा। कोषाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है, जबकि कार्यकारिणी के आठ पदों में से तीन पद महिला अधिवक्ताओं के लिए निर्धारित किए गए हैं।

रानीताल में जुए के फड़ पर पुलिस का छापा, 8 जुआरी गिरफ्तार

जबलपुर। लार्डगंज थाना पुलिस ने रानीताल स्थित शारदा मंदिर के पीछे गली में जुए के फड़ पर छापा मारकर आठ जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से ताश के 52 पते और 2,680 रुपये नकद जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दुर्गेश बर्मन, अंचल करश्यप, अजय विश्वकर्मा, अप्रिंत पटेल, रोहित साहू, शिवम अग्रवाल, अखिलेश विश्वकर्मा और सुमित राजपूत को पकड़ा गया। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हर बार नया क्यों ? बार बार ब्राज़माइश छोड़ियें

अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्योंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्ज्वल रखने में भी मदद करता है।

शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित

रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मेटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) – 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240